



दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10

अंक : 3

जयपुर, बुधवार 22 जनवरी, 2025

RNI.No.RAJHIN/2016/70162

मूल्य : 1.5 रुपए

पृष्ठ : 8+2

वर्ष 2030 तक अक्षय ऊर्जा का उत्पादन 500 गीगावाट तक बढ़ाने की प्रतिबद्धता को पूरा करेंगे : प्रह्लाद जोशी

नवीकरणीय ऊर्जा पर क्षेत्रीय समीक्षा बैठक

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2030 तक देश में अक्षय ऊर्जा का उत्पादन 500 गीगावाट तक बढ़ाने, वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा से ऊर्जा आवश्यकता का 50 प्रतिशत पूरा करने तथा वर्ष 2070 तक देश को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन तक ले जाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। इस प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में केन्द्र और राज्य सरकारें तेजी से काम कर रही हैं। जोशी मंगलवार को जयपुर के एक होटल में आयोजित नवीकरणीय ऊर्जा पर क्षेत्रीय समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2032 तक देश की ऊर्जा आवश्यकता दोगुनी होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि दस साल पहले भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था था। सबसे तेज गति से प्रगति करते हुए देश आज 5 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्र आगे बढ़ सकें, इसके लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है।

केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कोप 2026) के अनुसार आने वाले समय में कार्बन उत्सर्जन घटाने और पर्यावरण हितैषी ऊर्जा को प्रोत्साहन देने के लिए आने वाले वर्षों में विश्व के कई देशों में जीवाश्म ईंधन के औद्योगिक उपयोग पर हरित टैक्स लगाने की तैयारी की जा रही है। ऐसे में भारतीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने और ग्लोबल वार्मिंग से निपटते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित करना हम सबका कर्तव्य है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति: भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ऊर्जा के दक्ष उपयोग, नवीकरणीय स्रोतों को अपनाने और नई ऊर्जा नीतियों को विकसित करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा में बड़ी भूमिका निभायेगा और विकसित राजस्थान 2047 का संकल्प पूरा करने में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान स्वच्छ ऊर्जा नीति- 2024 जारी की है जिसमें वर्ष 2030 तक



125 गीगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापना करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राज्रिज राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसमें भी 28 लाख करोड़ से अधिक तो अकेले ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित है। इन एमओयू से स्थापित होने वाली परियोजनाओं से प्रदेश में सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि राजस्थान कुसुम योजना में देश का अग्रणी राज्य है। इस योजना में राज्य में 5 हजार मेगावाट से अधिक की सौर परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कुसुम 2.0 की शुरुआत करने का केन्द्र सरकार से आग्रह किया ताकि इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। उन्होंने राज्य को 5 हजार मेगावाट की नवीन क्षमता का आवंटन करने के लिए केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आगामी समय में कृषि विद्युत भार की पूर्ति सौर ऊर्जा से करने पर भी राज्य सरकार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यचर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत राज्य में 5 लाख घरों में रूफटॉप सूर्यचर लगाए जाने की प्रक्रिया चल रही है

और अब तक लगभग 25 हजार घरों पर सूर्यचर लगाए जा चुके हैं। सभी राजकीय भवनों को सोलर एनर्जी से लैस करने का कार्य शुरू कर अब तक 489 मेगावाट के एलओए हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल पर जारी किए जा चुके हैं। इन लक्ष्यों की प्राप्ति से न केवल राज्य में निवेश बढ़ेगा बल्कि इससे नवीन रोजगार एवं व्यवसाय में भी बढ़ोतरी होगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हाइब्रिड ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के लिए 2000 मेगावाट के नवीन सोलर पार्क की स्वीकृति से राज्य में सौर परियोजनाओं की गति मिलेगी। केन्द्रीय नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने कहा कि पीएम सूर्यचर योजना से देश में एक करोड़ परिवारों का बिजली बिल लगभग शून्य हो जाएगा जो उन्हें ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार पीएम कुसुम योजना किसानों की डिस्कॉम पर निर्भरता कम कर उनकी ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में कारगर पहल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए आरपीओ लक्ष्यों को प्राप्त करने के उपायों,

एक देश-एक चुनाव : मसौदा विधेयकों पर चर्चा के लिए होगी जेपीसी की दूसरी बैठक

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। एक देश - एक चुनाव के लिए दो विधेयकों की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की दूसरी बैठक 31 जनवरी को होगी। लोकसभा की वेबसाइट पर प्रकाशित कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई है।

संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और संघ राज्य क्षेत्र कानून (संशोधन) विधेयक हाल ही में शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में पेश किए गए थे और इन्हें समिति के पास भेजा गया था। लोकसभा की वेबसाइट के मुताबिक, समिति की आगामी बैठक में

संशोधन विधेयकों की जांच के लिए प्रक्रिया और विधियों पर चर्चा की जाएगी। समिति की पहली बैठक आठ जनवरी को हुई थी, जिसमें विधि और न्याय मंत्रालय के प्रतिनिधियों ने समिति के सदस्यों को जानकारी दी थी। पहली बैठक में विभिन्न दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान हुआ था। जिसमें विपक्षी सदस्य इस विचार को संविधान और संघवाद की मूल भावना पर हमला मान रहे थे। जबकि भाजपा सांसदों ने इसे जनमत का प्रतिबिम्ब बताया था। सभी सांसदों को 18,000 पन्नों का एक ट्रॉली दिया गया था, जिसमें रामनाथ कोविंद समिति की रिपोर्ट के हिंदी और अंग्रेजी में एक-एक संस्करण और 21 अतिरिक्त दस्तावेजों के साथ एक सॉफ्ट कॉपी भी शामिल थी।

इस्त्राइली सेना के शीर्ष जनरल ने दिया इस्तीफा

जयपुर टाइम्स

तेल अवीव (एजेंसी)। इस्त्राइली सेना के एक शीर्ष जनरल ने सात अक्टूबर 2023 को हमला के हमलों को रोकने में नाकामी के लिए मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दिया। इन हमलों के बाद ही गाजा युद्ध की शुरुआत हुई। लेफ्टिनेंट जनरल हरजी हलवी ने मंगलवार को अपने इस्तीफे की घोषणा की। जनरल हलवी ने इस्तीफा ऐसे समय में दिया है, जब गाजा में युद्धविराम जारी है। युद्धविराम के साथ हमला के लड़ाके गाजा की सड़कों वापस दिखाई दे रहे हैं, जिससे साबित होता है कि हमला अभी भी गाजा पर नियंत्रण बनाए हुए है। पिछले पंद्रह महीनों से जारी युद्ध में 46 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं और भारी तबाही हुई है।

‘टीका’ पर दिलावर टिप्पणी: अनाप शनाप बोलकर भाग जाते हैं जूली

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बयानों पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि टीकाराम जूली को यह भी



समझ नहीं होता कि उन्हें क्या कहना चाहिए। वह बिना सोचे समझे अनाप-शनाप बयान देते रहते हैं और अपनी आदत के मुताबिक बोलकर भाग जाते हैं। मदन दिलावर ने जूली पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपनी पार्टी के ध्रुवचर का भी अंदाजा नहीं है। पेपर लीक जैसे मामलों में उनकी

पार्टी के नेताओं ने कितना पैसा खाया, यह भी उन्हें नहीं पता। उन्होंने कहा, सौ चूहे खाकर बिस्त्रि हज करने जा रही है। कांग्रेस पर लगाया गुंडों के संरक्षण का आरोप: शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस सरकार पर मेवात में गुंडागर्दी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के विधायक गुंडे-बदमाशों का समर्थन करते थे, जिससे लोगों में डर का माहौल था। भाजपा सरकार के आने के बाद गुंडों और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।



तुर्की में होटल अग्निकांड में 66 की मौत, 51 लोग झुलसे

जयपुर टाइम्स

अंकारा (एजेंसी)। तुर्किये के गृह मंत्री ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी तुर्की के एक लोकप्रिय स्की रिसॉर्ट में एक होटल में मंगलवार को आग लगने से कम से कम 66 लोगों की मौत हो गई। अली येरलिकाया ने आगे बताया कि इस आपदा में कम से कम 51 अन्य लोग घायल हुए हैं। गृह मंत्री येरलिकाया ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से कहा, इस घटना से हम बहुत दुखी हैं।

सुबह 3.30 बजे लगी थी होटल में आग

वहीं स्वास्थ्य मंत्री केमल मेमिसोर्गु ने बताया कि घायलों में से कम से कम एक की हालत गंभीर है। अधिकारियों और रिपोर्टों के अनुसार, बोलू प्रांत के कार्तलकाया रिसॉर्ट में 12 मंजिला ग्रैंड कार्तल होटल के रेस्तरां में सुबह करीब 3:30 बजे आग लग गई। फिन्हलाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। बता दें कि, घटना के दौरान होटल में कुल 234 लोग ठहरे थे।

घबराहट में इमारत से कूदे दो लोग, मौत

गवर्नर अब्दुलअजीज आयाडिन ने सरकारी एजेंसी को बताया कि दो पीड़ितों की मौत घबराहट के कारण इमारत से कूदने के बाद हो गई। एक स्थानीय टेलीविजन ने कहा कि कुछ लोगों ने चादरों और कंबलों का उपयोग करके अपने कमरों से नीचे उतरने की कोशिश की। घटना के दौरान होटल में रुके स्की प्रशिक्षक नेकमी केपसेटुटन ने कहा कि जब आग लगी तो वह सो रहे थे और वे इमारत से बाहर भागे। इसके बाद उन्होंने होटल से लगभग 20 लोगों को बाहर निकालने में मदद की। उन्होंने कहा कि होटल धुएं से घिरा हुआ था, जिससे लोगों के लिए आग से बचने का रास्ता ढूंढना मुश्किल हो गया था।

होटल में आग लगने पर नहीं बजा फायर अलार्म

प्रत्यक्षदर्शियों और रिपोर्टों में बताया गया कि होटल में फायर सिस्टम काम नहीं कर रहा था। होटल की तीसरी मंजिल पर ठहरे शख्स ने अताकन येल्कोवन ने एक समाचार एजेंसी को बताया, मेरी पत्नी को कुछ जलने की गंध आई, जिसके बाद हम उठकर भागे, लेकिन होटल में इस दौरान कोई अलार्म नहीं बजा।

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश की आबादी का एक बड़ा हिस्सा युवाओं का है। युवा प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के इंजन हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को उनके सपनों को पूरा करने के लिए पर्याप्त अवसर दे रही है जिससे वे देश व प्रदेश की प्रगति में भी अपना अहम योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि सरकार युवा व खेल प्रतिनिधियों के सभी सुझावों पर विचार कर उन्हें बजट में यथासंभव शामिल करेगी ताकि आपणों अग्रणी राजस्थान का सपना साकार किया जा सके। शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में युवा और खेल क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व चर्चा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि युवा अपार ऊर्जा, नवाचार और सृजनशीलता के स्रोत हैं। स्वामी विवेकानंद जी का कहना था कि 21वीं सदी भारत की है और युवा पीढ़ी में हर समस्या का समाधान करने का समर्थन है। उन्होंने कहा कि युवा हर क्षेत्र में आगे बढ़ें और हम उन्हें हर संभव मंच उपलब्ध करवाएंगे।

प्रधानमंत्री खेल परिदृश्य में लाए

अभूतपूर्व बदलाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के खेल परिदृश्य में अभूतपूर्व बदलाव आया है। खेलों इंडिया और फिट इंडिया जैसे मुवमेंट से देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि भारतीय ओलंपिक संघ ने वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए इंटरनेशनल ओलंपिक कमिटी को लेटर ऑफ इंटेंट भी भेजा है। भारत के खिलाड़ी अब विश्व भर में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं तथा आज



राज्य को खेलों में अग्रणी बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है शर्मा ने कहा कि राजस्थान खेलों के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा हमारी प्राथमिकता है कि प्रदेश खेलों में अग्रणी राज्य बने। उन्होंने कहा कि नई खेल नीति, खेलों राजस्थान यूथ गेम्स का आयोजन, राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम, मिशन ओलंपिक 2028, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फोर स्पोर्ट्स जैसे निर्णयों से प्रदेश में खिलाड़ियों को तैयारियों के लिए समुचित अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के हर जिले में खेल से संबंधित सुविधाओं का विकास करने के लिए %एक जिला-एक खेल योजना% शुरू की गई है जिससे जिले में अन्य खेलों के साथ एक विशेष खेल को भी बढ़ावा मिलेगा।

राज्य के खिलाड़ी दुनिया में बना रहे पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे युवा खिलाड़ी दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। इस बार पेरिस पैरालंपिक में प्रदेश के आठ खिलाड़ियों ने भाग लिया तथा स्वर्ण, कांस्य सहित कुल 3 पदक जीते। राज्य सरकार ने मेडल जीतने वाले तीनों खिलाड़ियों को पांच-पांच करोड़ रुपये की राशि प्रदान कर उनका सम्मान और उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि यह बेहद गर्व का विषय है भारत सरकार की ओर से दिव्यकृति सिंह राठौड़ को अर्जुन पुरस्कार और पैरा-एथलेटिक्स प्रशिक्षक महावीर सैनी को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री ने खो-खो वर्ल्ड कप में विजेता भारतीय टीम को और उस टीम में शामिल राजस्थान की बेटी निर्मला भाटी को जीत की बधाई दी।



पोसबड़ा महोत्सव किया आयोजित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास.)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कंचन महेश हाडा ने पोसबड़ा महोत्सव का आयोजन किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और भजनों का खूब आनंद प्राप्त किया इस अवसर पर परिवार व समाज के लोगों सहित बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे। यह जानकारी ललित जायसवाल ने दी।

श्री तोपवाले हनुमान जी महाराज के विशाल भण्डारे में श्रद्धालुओं ने पाया बाबा का प्रसाद

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस.)। अयोध्या में भगवान श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बाला किला स्थित श्री तोपवाले हनुमान जी महाराज मंदिर परिसर में मंगलवार को भण्डारे का आयोजन किया गया। जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं मंदिर पहुंचकर बाबा के आशीर्वाद स्वरूप प्रसाद पाया। श्री तोप वाले हनुमान सेवाश्रम सेवक ट्रस्ट



के प्रवक्ता यश सोमवंशी ने बताया कि श्री तोपवाले हनुमान जी महाराज मंदिर परिसर में मंगलवार को भण्डारे से पूर्व 20 जनवरी को श्री रामचरित मानस के पाठ शुरु हुए, जिसका समापन मंगलवार को प्रातः हुआ। जहां पंडितों ने विधि विधान से मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ-हवन कराया। हवन पश्चात बाबा का सभी भक्तों ने मिलकर गुणगान किया और सीताराम सीताराम का उच्चारण किया। इसके बाद श्री तोपवाले हनुमान जी महाराज की महाआरती हुई। वहीं श्री तोपवाले हनुमान जी को राम नाम के चोले से श्रृंगारित किया गया और विद्युत रोशनी भी की गई। महाआरती के बाद भक्तों को दाल-बाटी, चूरमा और पुड़ी का प्रसाद परोसा गया। जहां शाम तक बड़ी संख्या में भक्तों ने मंदिर पहुंचकर बाबा का आशीर्वाद स्वरूप प्रसादी पाई। वहीं सेवकों और भक्तों ने भगवान से सभी जिले, राज्य व देशवासियों के लिए मंगलकामना की।

विशाल बोद्ध जिला सचिव बने

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस.)। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर के जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने विशाल बोद्ध को जिला सचिव नियुक्त किया है। कांग्रेस प्रवक्ता रिपु दमन गुप्ता ने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, राजस्थान



विधानसभा सभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा की अनुशंसा पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने जिला संगठन को ओर अधिक सक्रिय एवं सुदृढ़ करने के लिए भीम नगर कोलोनी, अलवर निवासी विशाल बौद्ध को जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव पद पर नियुक्त किया है और उन्हें निर्देश दिया है कि वह कांग्रेस के रीति नीति एवं सिद्धांतों में पूर्ण आस्था रखते हुए जिला स्तर पर पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे।

पंचायत समिति कटूमर की 46 ग्राम

पंचायतों एवं रैणी की 24 ग्राम पंचायतों में

प्रशासक नियुक्ति एवं प्रशासकीय समिति

गठन के आदेश जारी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस.)। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा जिले की पंचायत समिति कटूमर की 46 ग्राम पंचायतों एवं पंचायत समिति रैणी की 24 ग्राम पंचायतों में प्रशासक नियुक्ति एवं प्रशासकीय समिति गठन के आदेश जारी कर दिए गए हैं। पंचायत पुनर्गठन प्रक्रिया के प्रभारी अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय योगेश डागुर ने बताया कि जिले की ऐसी ग्राम पंचायतें जिनका कार्यकाल 31 जनवरी 2025 तक समाप्त हो रहा है ऐसी ग्राम पंचायतों के प्रशासक नियुक्ति एवं प्रशासकीय समिति गठन के आदेश जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति राजगढ़ व मालाखेडा की 22 ग्राम पंचायतों में प्रशासक नियुक्ति एवं प्रशासकी समिति गठन के आदेश 31 जनवरी 2025 एवं पंचायत समिति गोविन्दगढ़ की ग्राम पंचायतों में प्रशासक नियुक्ति एवं प्रशासकीय समिति गठन के आदेश 29 जनवरी 2025 को जारी किया जाना प्रक्रियाधीन है।

वन मंत्री ने सरिस्का में वन विभाग की मॉनिटरिंग व्यवस्था का लिया जायजा

वनकर्मी प्रो-एक्टिव रहकर दायित्वों का निर्वहन करें - मंत्री शर्मा



जयपुर टाइम्स

अलवर(निस.)। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने बाघ परियोजना क्षेत्र सरिस्का में पहुंचकर वन विभाग की मॉनिटरिंग व्यवस्था व चौकियों के जीर्णोद्धार सहित अन्य कार्यों का अवलोकन किया।मंत्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वन्य जीवों व वन सम्पदा की सुरक्षा का कार्य प्रो-एक्टिव रहकर सम्पादित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि चौकियों के

जीर्णोद्धार आदि का कार्य गुणवत्ता के साथ कराया जावे। इस कार्य में यथा सम्भव प्रकृति के अनुकूल सामग्री का उपयोग करें। साथ ही सुनिश्चित करें कि यहां सभी व्यवस्थाएं सुव्यस्थित रूप में रहे।

उन्होंने निर्देश दिये कि विभाग के कार्मिक नियमित रूप से वन्यजीवों की मॉनिटरिंग करें। उन्होंने निर्देश दिए बाघ परियोजना की व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने हेतु प्रस्ताव बनावे। उन्होंने नर बाघ एसटी 2402 के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली और उसको पुनः जंगल में छोड़ने की

समय सीमा के बारे में चर्चा की। उन्होंने उमरी चौकी एवं कर्णकबास चौकी संधारण कार्य का अवलोकन कर वनकर्मीयों के लिए सभी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाए जाने का फीडबैक लिया तथा हैबिटेट सुधार कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री शर्मा ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस दौरान डीएफओ सरिस्का अभिमन्यु सहारण सहित संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे।

प्रस्तावित ट्रांसफर स्टेशन अलवर शहर की स्वच्छता सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा'

नगर निगम अलवर द्वारा बनाया जाएगा मैकेनाईज्ड ट्रांसफर स्टेशन, न्यास ने की भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस.)। बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत अलवर में मैकेनाईज्ड ट्रांसफर स्टेशन बनाये जाने के लिए नगर विकास न्यास अलवर की मूर्तिकार योजना में प्रस्तावित हाट बाजार के लिए आरक्षित भू खण्ड में से 6480 वर्गमीटर भूमि नगर निगम अलवर को निःशुल्क आवंटन के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था। जिसके क्रम में उक्त आवंटन के लिए नगर विकास न्यास द्वारा 02 जनवरी 2025 को स्वीकृति प्रदान की गई है। नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरुका ने बताया कि पूर्व में अलवर शहर का कचरा नगर निगम अलवर द्वारा अम्बेडकर नगर में एन.एच. के निकट स्थित भूमि पर ले जाया जाता था, जिसे अस्थाई ट्रांसफर स्टेशन के रूप में प्रयुक्त किया जा रहा था। इसके संबंध में प्रदूषण

एवं दुर्गन्ध आदि की शिकायते प्राप्त हो रही थी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रस्तावित मैकेनाईज्ड ट्रांसफर स्टेशन के बनने से इन समस्याओं से निजात मिलेगी। यहाँ पर डोर टू डोर कचरा संग्रहण जो कि ऑटो टिप्पर्स के माध्यम से किया जाता है. उसे लाया जायेगा और यहाँ से प्रोसेसिंग प्लांट तक भिजवाया जायेगा। यह परिवहन कवर किये हुए वाहनों में किया जायेगा। बल्क कलेक्शन के वाहन ट्रांसफर स्टेशन तक नहीं आयेगे, बल्कि उनका कचरा सीधे ही प्रोसेसिंग प्लांट तक पहुँचाया जायेगा।

क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण मण्डल ने भी अपनी 19 जनवरी 2025 की रिपोर्ट में उल्लेख किया है, कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट रूल्स 2016 में ट्रांसफर स्टेशन को एक ऐसी सुविधा के रूप में परिभाषित किया गया है, जहाँ पर संग्रहण क्षेत्रों से कचरा लाया जाता है और कवर किये हुए वाहनों या कंटेनर्स में प्रसंस्करण अथवा निस्तारण

के लिए भिजवाया जाता है। प्रसंस्करण को ऐसी वैज्ञानिक प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया है जिसके द्वारा पृथक् किया हुआ ठोस अपशिष्ट पुनः प्रयुक्त, पुनः चकित या नये उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है। ट्रांसफर स्टेशन के स्थल के चयन के संबंध में कोई निश्चित गाईडलाईन अथवा मापदण्ड नहीं है। नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरुका ने बताया कि इन्दौर, जयपुर आदि महानगरों में भी ट्रांसफर स्टेशन शहर में ही बनाये गये हैं। अलवर शहर का यह पहला ट्रांसफर स्टेशन होगा, जो कि पूर्णतयः पर्यावरण हितैषी एवं आधुनिक तकनीक से युक्त होगा। यह शहर की स्वच्छता एवं कचरा संग्रहण की दिशा में एक मील का पथर साबित होगा। इससे आमजन को किसी प्रकार के प्रदूषण, गंदगी एवं दुर्गन्ध का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही यहाँ पौधारोपण का कार्य भी किया जायेगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण में भी सहायता मिलेगी।आयुक्त ने बताया

कि यहाँ चारदीवारी का निर्माण किया जायेगा और यह उपर से भी कवर्ड होगा। इससे कचरे में पशुओं के आने-जाने की समस्या से भी निजात मिलेगी। यहाँ किसी प्रकार का प्रसंस्करण अथवा कचरा जलाये जाने का कार्य नहीं किया जायेगा। नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरुका ने बताया कि गत सप्ताह इन्दौर और हैदराबाद के विशेषज्ञों ने भी अलवर शहर में स्वच्छता की दिशा में किये जा रहे अभिनव प्रयासों की सराहना की थी और इस संबंध में भावी कार्ययोजना के संबंध में भी चर्चा की थी। स्वच्छता सर्वेक्षण की समीक्षा हेतु जयपुर से आई टीम ने भी अलवर नगर निगम की ओर से किये जा रहे प्रयासों की सराहना की है और स्वच्छता में शहर की रैकिंग सुधारने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिये हैं। प्रस्तावित ट्रांसफर स्टेशन शहर की स्वच्छता सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की अंतिम तिथि 31 जनवरी तक बढ़ाई

जयपुर टाइम्स

बालोतरा (निस.) राजस्थान सरकार ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 31 जनवरी 2025 कर दिया है। पहले यह तिथि 22 जनवरी 2025 निर्धारित थी। इस योजना के तहत राज्य के पशुपालक अपने दुधारू पशुओं का निःशुल्क बीमा करवा सकेंगे।पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक विनय मोहन खत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना का उद्देश्य राज्य के पशुपालकों को आर्थिक संवल प्रदान

करना है, विशेषकर उन परिस्थितियों में जब प्राकृतिक आपदाएं, महामारी या दुर्घटनाओं के कारण पशुधन को नुकसान पहुंचता है। राजस्थान में पशुपालन ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का मुख्य स्रोत है, और यह योजना पशुपालकों को उनके नुकसान की भरपाई के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगी। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि पशुपालकों को किसी भी आपदा के समय आर्थिक समस्याओं का सामना न करना पड़े और वे अपने पशुओं की उचित देखभाल कर सकें।



केंद्रीय ऊर्जा मंत्री श्रीपाद नाईक से शिष्टाचार भेट

जयपुर(निस.)। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री श्रीपाद नाईक से अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा के संगठन मंत्री ललित जायसवाल ने शिष्टाचार भेट कर सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मां) वाउचर योजना

राजस्थान सरकार की गर्भवती महिलाओं के लिए अनूठी पहल

गर्भवती महिलाएं प्राइवेट सोनोग्राफी सेंटर पर निःशुल्क करा सकती है सोनोग्राफी – मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा



जयपुर टाइम्स

अलवर(निस.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मां वाउचर योजना' की शुरुआत 17 सितंबर 2024 को पूरे प्रदेश में किया गया। मां वाउचर योजना राजस्थान सरकार की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य राज्य में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को

कम करना और सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य की महिलाओं को निःशुल्क सोनोग्राफी सेवाएं उपलब्ध कराना है। योजना विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए फायदेमंद है जो दूर-दराज के क्षेत्रों में रहती हैं और जिनके लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचना कठिन है। यह योजना उन महिलाओं के लिए भी उपयोगी है, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और सोनोग्राफी जैसी महंगी सेवाओं का खर्च वहन करने में असमर्थ हैं। योजना के अंतर्गत अलवर जिले में 17 सितंबर 2024 से 19 जनवरी 2025 तक 2472 सोनोग्राफी की जाकर गर्भवती महिलाओं को लाभान्वित किया गया है।

निःशुल्क मिलेगी सोनोग्राफी सेवाएं : गर्भावस्था के 84 दिन या उससे अधिक की अवधि वाली महिलाएं इस योजना के

तहत निःशुल्क सोनोग्राफी करवा सकती हैं। यह सुविधा सरकारी और सूचीबद्ध निजी सोनोग्राफी केंद्रों पर उपलब्ध है। **वाउचर प्रणाली और प्रक्रिया :** योजना के तहत गर्भवती महिला को अपना जन आधार कार्ड और मोबाइल फोन लेकर नजदीकी सरकारी चिकित्सा संस्थान पर जाना होगा। चिकित्सा संस्थान में ओटीपी के माध्यम से महिला के मोबाइल पर एक एसएमएस द्वारा क्यूआर वाउचर जारी किया जाएगा। वाउचर की वैधता 30 दिनों की होगी। यदि महिला निर्धारित 30 दिनों में सोनोग्राफी नहीं करवा पाती है, तो वह दोबारा चिकित्सा संस्थान पर जाकर वाउचर की अवधि एक बार 30 दिनों तक बढ़ा सकती है।

निजी केंद्रों की भागीदारी : महिलाओं को बेहतर सेवाएं देने के लिए 1,161 निजी सोनोग्राफी केंद्रों और अस्पतालों को योजना में शामिल किया गया है। अलवर जिले में 26 निजी सोनोग्राफी सेंटरों पर मां वाउचर योजना चालू है। **ऐसे ले सकते हैं योजना का लाभ :** गर्भवती महिला अपने नजदीकी सरकारी चिकित्सा संस्थान पर जाकर जन आधार कार्ड और मोबाइल फोन के माध्यम से वाउचर प्राप्त कर सकती है। यह वाउचर सरकारी और सूचीबद्ध निजी पंजीकृत सोनोग्राफी केंद्रों पर निःशुल्क सेवा के लिए मान्य होगा। जिले की कोई भी गर्भवती महिला जिसकी गर्भावस्था की अवधि 12 सप्ताह से अधिक है, वह महिला प्रत्येक माह की 9, 18 व 27 तारीख (प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस) के दिन जिले के

ऐसे सरकारी अस्पताल से मां वाउचर योजना के लिए कूपन ले सकती है, जिस संस्थान पर सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध नहीं हो। जिले में सरकारी अस्पतालों में संचालित सोनोग्राफी केंद्रों पर सोनोग्राफी सुविधा निःशुल्क है इसलिए सरकारी संस्थान पर सोनोग्राफी कराने के लिए मां वाउचर योजना की आवश्यकता नहीं है।

राज्य सरकार की मां वाउचर योजना महिलाओं और उनके शिशु के स्वास्थ्य की देखभाल को सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह योजना मातृत्व सेवाओं को व्यापक रूप से पहुंचाने और गर्भावस्था के दौरान जटिलताओं का समय पर पता लगाने में सहायक सिद्ध हो रही है।

वासुदेव देवनानी ने स्वास्थ्य लाभ हेतु शुभकामनाओं के लिए जताया आभार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास.)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने स्वास्थ्य लाभ हेतु मिली शुभकामनाओं के लिए समस्त जनों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि पटना (बिहार) में आयोजित 85वें पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान 20 जनवरी, सोमवार को उन्हें एसिडिटी के कारण असहजता महसूस हुई थी। पटना में प्राथमिक उपचार के बाद, वे उसी शाम विशेष विमान से जयपुर पहुंचे।

जयपुर के सवाई मानसिंह (एस.एम.एस.) अस्पताल में वरिष्ठ एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उनका उपचार किया, जहां सभी आवश्यक मेडिकल जांचें सामान्य पाई गईं। देवनानी ने कहा कि अब उनके स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है और वे स्वयं को स्वस्थ महसूस कर रहे हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्यमंत्रीगण, मंत्रियों, अन्य प्रदेशों के विधानसभा अध्यक्षों, अजमेर जिले के आमजन और उनके परिचितों को शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया है।

इसके साथ ही उन्होंने एस.एम.एस. अस्पताल के चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ का उनके उपचार में दिए गए सहयोग के लिए विशेष आभार प्रकट किया।

देवनानी ने कहा कि सभी की शुभकामनाओं और चिकित्सकों की देखभाल से उनका स्वास्थ्य बेहतर हो रहा है।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा ने अतिक्रमण के खिलाफ की कार्रवाई, 10,500 रुपये कैरिंग चार्ज वसूला, 3 केन्टर सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास.)। नगर निगम ग्रेटर की सतर्कता शाखा ने मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की। आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता



अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में 10,500 रुपये कैरिंग चार्ज वसूला गया और 3 केन्टर सामान जब्त किया गया।

सतर्कता टीम ने मन्दिर मोड़, विद्याधर नगर सेक्टर-6, कुम्हार होटल से गिरधारीपुरा तक, कालवाड़ रोड, करधनी पुलिस चौकी से पावर हाउस वार्ड नं. 44 सहित अन्य स्थानों पर अस्थाई अतिक्रमण हटाय़ा। जब्त किया गया सामान निगम के गोदाम में भिजवाया गया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण करने वालों को मौके पर ही समझाइश दी गई और भविष्य में अतिक्रमण से बचने के लिए मौखिक पाबंद किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर आगे भी अवैध अतिक्रमण पाया गया, तो नगर निगम द्वारा भारी चालान या कठोर कार्रवाई की जाएगी।

यह कार्रवाई नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त रखने के प्रयासों का हिस्सा है। टीम ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे अतिक्रमण से बचें और नगर निगम के नियमों का पालन करें।

आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देश पर ज़ोन उपायुक्तों ने किया सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार मंगलवार को सभी ज़ोन उपायुक्तों एवं ज़ोन हट्टूट ने अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाना तथा स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के तहत सभी मापदंडों की निगरानी करना था। सांगानेर ज़ोन उपायुक्त डॉ. रवि



प्रकाश गोयल ने वार्ड नंबर 86 और 87 में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान आमजन को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने की समझाइश दी गई। मानसरोवर ज़ोन हट्टूट श्री श्याम लाल जांगिड़ ने वार्ड नंबर 75 और 76 का निरीक्षण किया, जहां 3 सफाई कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। इसके अलावा खुले में कचरा फेंकने वाले पर ज़ुर्माना लगाया गया। मालवीय नगर ज़ोन उपायुक्त ने सहकार मार्ग, 22 गोदाम रोड, ज्योति नगर रोड सहित विभिन्न स्थानों का दौरा कर सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुरलीपुरा ज़ोन उपायुक्त ने अपनी टीम के साथ घर-घर जाकर नागरिकों को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया।

स्वच्छता की मॉनिटरिंग और सख्ती से कार्रवाई

आयुक्त रूकमणि रियाड़ के नेतृत्व में नगर निगम ग्रेटर द्वारा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सात ज़ोन हट्टूट नियुक्त किए गए हैं। ये अधिकारी स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के तहत तय सभी मापदंडों की निगरानी करते हैं। निरीक्षण के दौरान सफाई कर्मचारियों की हाजिरी, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, हरे और नीले रंग के डस्टबिन की स्थिति, ओपन कचरा ड्रिप्पो और सीनएडी वेस्ट की मॉनिटरिंग की गई। कमियां पाए जाने पर तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए।

कार्रवाई से वसूला गया 12.22 लाख रुपये का कैरिंग चार्ज

माह नवंबर 2024 से अब तक गंदगी फैलाने वाले 232 दोषियों से 8.62 लाख रुपये का कैरिंग चार्ज वसूला गया। सिगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों से 1.69 लाख रुपये, बिना ग्रीन नेट निर्माण कार्य करने वाले 95 दोषियों से 1.41 लाख रुपये, और सीनएडी वेस्ट डालने वाले दोषियों से 49 हजार रुपये वसूले गए।

राज्यपाल श्री बागडे ने वरूर में महामस्तकाभिषेक समारोह में लिया भाग

जीवन का आलोक है तीर्थकरों के आदर्श: राज्यपाल



जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास.)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को कर्नाटक के वरूर में भगवान पार्श्वनाथ की अर्खंड प्रतिमा के महामस्तकाभिषेक समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने तीर्थकरों की महान परंपरा और उनके आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्श्वनाथ तीर्थकर का महामस्तकाभिषेक सत्य और नैतिक मूल्यों की प्रेरणा देता है। राज्यपाल ने कहा कि तीर्थकरों ने त्याग और अपरिग्रह के सिद्धांतों को जीवन में

अपनाकर उदात्त मूल्यों का प्रसार किया। भारतीय संविधान की मूल प्रति में वर्धमान महावीर के चित्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जैन धर्म जिन शब्द से जुड़ा है, जिसका अर्थ है विजेता, यानी जिसने अपनी इच्छाओं और मन पर विजय प्राप्त की हो। उन्होंने वरूर में भगवान पार्श्वनाथ की अर्खंड प्रतिमा का अभिषेक किया और नवग्रह तीर्थकर की प्रतिमाओं के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने आचार्य गुणधरानंदी महाराज की दूरदर्शिता और समर्पण को सराहा। उन्होंने कहा कि वरूर का यह धाम दिगंबर जैन परंपरा का अनूठा केंद्र

पंचायत पुनर्गठन की प्रक्रिया प्रारम्भ

बालोतरा में बनेगी कई नयी पंचायते

जयपुर टाइम्स

बालोतरा (निस.) ग्राम पंचायतों का भूगोल बदलने की तैयारी में जहां प्रशासनिक अमला सोमवार से आगामी 120 दिन तक कार्य करेगा वहीं राजनीति से जुड़े लोग भी अब तैयार हो गए हैं। पंचायत के चुनावों से पहले बाड़मेर व बालोतरा में उमीद की जा रही है कि लगभग 100 से 150 ग्राम पंचायतों के प्रस्ताव आ जाएंगे। 2000 की आबादी पर ग्राम पंचायत बनाने की मरुस्थल इलाके में मिली छूट का फायदा होगा।

दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों ने भी अब अपना पूरा ध्यान ग्राम पंचायतों पर केन्द्रित कर दिया है,जिससे नया बदलाव उनके हिसाब से हो।

अब बाड़मेर और बालोतरा में होगी अलग-अलग

बाड़मेर और बालोतरा दोनों जिलों में इस वक्त 688 ग्राम पंचायतें हैं। वर्ष 2014 में 380 ग्राम पंचायतें थी जो सौ बढ़कर 480 हुई थी। इसके बाद 200 से ज्यादा बढ़ी तो 689 हो गई थी। एक नगरपालिका बनने से संख्या फिर 688 हो गई।

ये अब दो जिलों में बंटेंगी

अब बाड़मेर और बालोतरा दो जिले हैं। ऐसे में यह ग्राम

पंचायतें भी अब दो जिलों में बंट जाएंगी। ऐसे में लगभग 688 में से बालोतरा में 266 और बाड़मेर 422 हैं। इस हिसाब से अब अलग-अलग संख्या का इजाफा होगा।

150 से अधिक का अनुमान

2000 की आबादी के आधार मिलने के बाद में अब उम्मीद जगी है कि करीब 150 ग्राम पंचायतें बाड़मेर-बालोतरा में बढ़ सकती हैं। ग्राम पंचायतों के जोड़तोड़ का गणित करके इनका पुनर्निर्माण होगा।

कैसे होगा चुनावी गणित

ग्राम पंचायतों में सरपंच चुनावों से पहले हो रहा यह बदलाव बढ़ा है। इसको लेकर राजनीतिक पार्टियां भी अब ग्राउण्ड लेवल पर कार्य करने लग गई हैं। नई ग्राम पंचायत बनने पर सरपंच किसका होगा, यह अहम है। ऐसे में दोनों ही मुख्य दल इस मशकत में हैं कि ग्राम पंचायत का गठन उनकी मंशा के अनुसार हो।

कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों ने अपने ग्रामीण ब्लॉक स्तर के संगठन को सक्रिय कर दिया है। स्थानीय विधायकों के साथ पूरी टीम अब इस मामले में लगी है कि ग्राम पंचायत का प्रस्ताव सही हो और उनको फायदा पहुंचाने वाला हो

जिम्मेदार अधिकारी मौन

शहर की जनता जी रही है कचरे के ढेर पर अपनी जिंदगी

कुचामन शहर में बिगड़े सफाई के हालात आमजन परेशान

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी (निस.)शहर में सफाई व्यवस्था बदहाल हो चुकी है। कुचामन शहर के विभिन्न गली मोहल्ले में कचरे के ढेर लगे हुए हैं।इन कचरो के ढेर की वजह से गंदगी फैल रही है। एवं कचरे की वजह से गंदी बदबू आ रही है।मौसमी बीमारियां पनप रही है। लेकिन बदहाल सफाई व्यवस्था को लेकर नगर परिषद प्रशासन किसी और ध्यान नहीं दे रहा है। नगर परिषद को बार-बार अवगत कराने के बावजूद भी नगर परिषद कोई सुनवाई नहीं कर रही है।जिससे मौसमी बीमारियां बढ़ रही है।शहर के ब्रह्मपुरी नया शहर में पिछले काफी दिनों से कचरे के ढेर लगे हुए हैं।

पर कचरा उठाने वाले कर्मचारी भी नहीं आ पा रहे हैं।नगर परिषद के ठेकेदार सफाई कर्मियों को कॉलोनी वासियों द्वारा बार बार अवगत कराने के बावजूद भी कोई फर्क नहीं पड़ रहा है।कॉलोनी वासियों का कहना है कचरे के ढेर से सारे दिन बदबू आती रहती है। वह बच्चे भी गंदगी के ढेर लगने से बीमार हो रहे हैं।दुर्गंध इन कचरो से इतनी आती रहती है।कि कोई पास से



जब से नगर परिषद में पिछले चार महीने से बाहर की कंपनी को ठेका दिया है तब से शहर की व्यवस्था चरमरा गई है संबंधित सफाई कर्मचारी को बार-बार निर्देशित करने के बाद में भी इस तरफ कोई ध्यान नहीं जा रहा है।

हेमराज चावला
उपसभापति नगर परिषद कुचामन शहर

विभागीय कार्यों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का यथाशीघ्र निस्तारित कर परिवादियों की संतुष्टि प्रतिशत को बढ़ायें – जिला कलक्टर



जयपुर टाइम्स

बालोतरा(निस.)जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विभागीय कार्यों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने कहा कि समस्त विभागीय अधिकारी संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की नियमित रूप से समीक्षा करें, साथ ही इनको यथाशीघ्र निस्तारित करवाने के साथ आमजन को हात पहुंचाते हुए परिवादियों की संतुष्टि का प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास करें। उन्होंने जन सुनवाई में दर्ज प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए। अभियान के तहत जिले में सेम्पलिंग को बढ़ाने के साथ ही जन जागरूकता अभियान चलाए। साथ ही अधिक से अधिक निश्चय मित्रों की नियुक्ति करें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि अब तक जारी हुए आयुष्मान कार्ड संबंधित व्यक्तियों को आवश्यक रूप से वितरित हो जाए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड के लिए पात्र व्यक्तियों का शत-प्रतिशत पंजीकरण करवाने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर यादव ने सड़क सुरक्षा माह की समीक्षा कर सार्वजनिक निर्माण विभाग को दुर्घटना संभावित क्षेत्रों एवं ब्लैक स्पॉट पर सांकेतिक चिन्ह लगाने एवं स्पीड ब्रेकर पर सफेद पट्टिका अंकित करने के साथ

सुरक्षितमक उपाय करने के निर्देश दिये। उन्होने उन्होने कहा कि राईजिंग राजस्थान के तहत किये गये एमओयू के भूमि आवंटन में आ रही समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी भुवनेश्वर सिंह चौहान, अतिरिक्त जिला कलक्टर अशोक कुमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी वांकाराम चौधरी, विद्युत विभाग के अधीक्षक अभियंता सोनाराम पटेल, रीको क्षेत्रीय प्रबंधक सुशील कटियार, जिला शिक्षा अधिकारी कमलेश कुमार मीणा, नगर परिषद आयुक्त जितेन्द्र चौकीदार समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

संपादकीय🕒

बीते जमाने की बात होती सोशियोट्रॉपी

सामाजिक ताने बाने में बदलाव को इस तरह से आसानी से समझा जा सकता है कि सोशियोट्रॉपी आज बीते जमाने की बात होती जा रही है। कोरोना के बाद तो हालात में और भी अधिक बदलाव आया है। आज की पीढ़ी में सामाजिकता का स्थान वैयक्तिकता लेती जा रही है। एक समय था जब सामाजिकता को वैयक्तिकता के स्थान पर अधिक तरजीह दी जाती थी। परिवार, मौहल्लें और आसपास कोई ना कोई ऐसे अवय्व मिल जाते थे जो जगत मामा तो कोई जगत काका तो कोई जगत दादा होते थे। छोटा हो या बड़ा, दादी हो या पोती, सास हो या बहू सब उन्हें प्रसिद्ध नाम से ही पुकारते थे। यह था एक तरह का अपनत्व। इस तरह के व्यक्तित्व वाले व्यक्ति सभी के चहेते होते थे तो जान-पहचान ही या ना हो, वे जरूरत के समय पहुंच जाते थे। सुख दुख खासतौर से मुसिबत के समय ऐसे व्यक्ति आगे रहते थे। हालांकि आज इस तरह के व्यक्तित्व को ढूंढना लगभग असंभव सा ही है।

दरअसल हमारी परंपरा व्यस्टी का ना होकर समस्टी की रही है। बच्चों को पहले सामाजिकता का पाठ पढ़ाया जाता था। बच्चे मौहल्ले के सभी घरों को अपना ही घर मानकर चलते थे तो मौहल्ले में रहने वाले किसी का भी बच्चा हो उसे अपने बच्चे जितना ही प्यार और दुलार देते थे। दुख दर्द में पूरा मौहल्ल साथ हो जाता था। मौहल्ले में किसी घर में मौत हो जाती थी तो पड़ोसी उस परिवार को सभालाने और देखभाल की जिम्मेदारी स्वयं अपने हाथ में ले लेते थे। शादी-विवाह में काम बंट जाता था, आज तो केटरिंग का जमाना आ गया नहीं तो सैकड़ों लोगों को परिवार और मौहल्ले के युवा ही भोजन कराने की जिम्मेदारी निभा लेते थे। हलवाई के काम शुरू करते ही मौहल्ले के लोग बारी बारी से देखरेख व सहयोग के लिए तैयार रहते थे। आज यह सब बदल गया है। गगन चुंबी इमारतों में कई परिवार रहते हैं और हालात यहां तक हो गए हैं कि एक ही कॉम्पलेक्स या अपार्टमेंट में रहने वाले एक दूसरे को पहचानते ही नहीं। ऐसे में आपसी सहयोग और मेल मिलाप की बात करना बेमानी होगा।

सोशियोट्रॉपी मनोविज्ञान में प्रयोग होता है। हालांकि इसे सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही अर्थों में लिया जाता है। दूसरों को खुश रखने की खुशी में अपने खुशी को भूल जाना वाली मनोस्थिति को भी सोशियोट्रापी के रुप में देखा जाता है। यही कारण है कि इस एकांगिंग अर्थ को लेने के चक्कर में सोशियोट्रोपी मानसिकता वाले लोगों के अवसादग्रस्त, तनाव पीड़ित और हमेशा चिंतित रहने की मनोदशा को साइड इफेक्ट के रुप में देखा जाता है। जबकि सोशियोट्रापी यहीं तक सीमित नहीं है। दूसरे के दुखदर्द में भागीदार होना, आवश्यकता के समय निस्वार्थ सहयोग व सहायता करना, दूसरे की पेशानी को समझना और उसे दूर करने में यथासंभव सहयोग करना यह सोशियोट्रापी का ही एक रुप है। हमारी परंपरा में जो व्यक्ति केवल अपने आप के बारे में सोचता है उसे एकलखोर या स्वार्थी कहा जाता रहा है। हमारी परंपरा वसुधैव कुटुम्बकम की रही है। हमारी परंपरा में दूसरे की उन्नती देखकर प्रसन्न होने की भावना रही है। खुशी के मोके पर मिठाई बांटना खुशी में सभी को भागीदार बनाना है। इसी तरह से जररत के समय खड़े हो जाना जरूरतमंद के लिए संबल होता है।

समसामयिक

कश्मीर के सर्वाधिक नए जन सांख्यिकीय आंकड़ों पर नजर डाले तो स्वतंत्रता के समय वहां घाटी में 15ल कश्मीरी पंडितों की आबादी थी जो आज 1ल से नीचे होकर 0ल्व की ओर बढ़ गई है। हाल ही के इतिहास में कश्मीर के ज.स. सांख्यिकी में यदि परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक खोजें तो वह एक दिन, यानि 19 जनवरी 1990 के नाम से जाना जाता है। कश्मीरी पंडितों को उनकी मातृभूमि से खदेड़ देने की इस घटना की यह भीषण और वीभत्स कथा 1989 में आकार लेनें लगी थी। पाकिस्तान प्रेरित और प्रायोजित आतंकवादी और अलगाववादी यहाँ अपनी जड़ें बैठा चुके थे। भारत सरकार आतंकवाद की समाप्ति में लगी हुई थी तब के दौर में वहां रह रहे थे कश्मीरी पंडित भारत सरकार के मित्र और इन आतंकियों और अलगाववादियों के दुश्मन और खबरी सिद्ध हो रहे थे। इस दौर में कश्मीर में अलगाववादी समाज और आतंकवादियों ने इस शांतिप्रिय हिन्दू पंडित समाज के विरुद्ध चल रहे अपने धीमे और छद्म संघर्ष को घोषित संघर्ष में बदल दिया। इस भयानक नरसंहार पर फारुक अब्दुल्ला की रहस्यमयी चुपपी और कश्मीरी पंडित विरोधी मानसिकता केवल इस घटना के समय ही सामने नहीं आई थी। तब के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ल अपने पिता शंख अब्दुल्ल के कदमों पर चलते हुए अपना कश्मीरी पंडित विरोधी आचरण कई बार सार्वजनिक कर चुके थे। 19 जनवरी 1990 के मध्ययुगीन, भीषण और पाशविक दिन के पूर्व जमात-ए-इस्लामी द्वारा कश्मीर में अलगाववाद को समर्थन करने और कश्मीर को हिन्दू विहीन करने के उद्देश्य से हिज्जुल मुजाहिदीन की स्थापना हो गई थी। इस हिजबुल मुजाहिदीन नें 4 जनवरी 1990 को कश्मीर के स्थानीय समाचार पत्र में एक एक विज्ञप्ति प्रकाशित कराई जिसमें स्पष्टतः धमकी कश्मीरी पंडितों को कश्मीर छोड़ने की सभकी दी गई थी। इस क्रम में उधर पाकिस्तानी प्रधानमन्त्री बेनजीर नें भी टीवी पर कश्मीरियों को भारत से मुक्ति पाने का एक भड़काऊ भाषण दे दिया। घाटी में खुले आम भारत विरोधी नारे लगने लगे। घाटी की मस्जिदों में अजान के स्थान पर हिन्दुओं के लिए धमकियां और हिन्दुओं को खदेड़ने या मार-काट देने के जहरीले आह्वान बजने लगे। एक अन्य स्थानीय समाचार पत्र अल-सफा ने भी इस विज्ञप्ति का प्रकाशन किया था। इस भड़काऊ, नफरत, धमकी, हिंसा और भय से भरे शब्दों और आशय वाली इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के बाद



कश्मीरी पंडितों में गहरे तक भय, डर, घबराहट का संचार हो गया। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि तब तक कश्मीरी पंडितों के विरोध में कई छोटी बड़ी घटनाएं वहां सतत घाट ही रही थी और कश्मीरी प्रशासन और भारत सरकार दोनों ही उन पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे थे। 19जन. 1990 की भीषणता को और कश्मीर और भारत सरकार की विफलता को इससे स्पष्ट समझा जा सकता है कि पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर और दुकानों पर नोटिस चिपका दिए गए थे कि 24 घंटे के भीतर वे घाटी छोड़ कर चले जाएँ या इस्लाम ग्रहण कर कड़ाई से इस्लाम के नियमों का पालन करें। घरों पर धमकी भरे पोस्टर चिपकाने की इस बदनाम घटना से भी भारत और कश्मीरी सरकारें चेती नहीं और परिणाम स्वरूप पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर धूं-धूं चल उठे। तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ल इन घटनाओं पर रहस्यमयी आचरण अपनाए रहे, वे कुछ करने का अभिनय करते रहे और कश्मीरी पंडित अपनी ही भूमि पर ताजा इतिहास की सर्वाधिक पाशविक-बर्बर-क्रूरतम गतिविधियों का खुले आम शिकार होते रहे, घाटी में पहले से फैली अराजकता चरम पर पहुँच गई। कश्मीरी पंडितों के सर काटे गए, कटे सर वाले शवों को चौक-चौराहों पर लटकाया गया। बलात्कार हुए, कश्मीरी पंडितों की स्त्रियों के साथ पाशविक-बर्बर अत्याचार हुए। गर्म सलाखों शरीर में दागी गईं और इज्जत आबरू के भय से सैकड़ों कश्मीरी पंडित समझी बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों के शवों का समुचित अंतिम संस्कार भी नहीं होने दिया गया था, कश्यप ऋषि के संस्कारवान कश्मीर में संवेदनाएं समाप्त हो गईं और पाशविकता-बर्बरता का वीभत्स नंगा नट दिखा था। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट और हिजबुल मुजाहिदीन ने जाहिर और सार्वजनिक तौर पर इस हत्याकांड का नेतृत्व

क्या अमेरिका के स्वर्णिम दौर में शेष विश्व को मिल पाएगी तीसरे विश्वयुद्ध से मुक्ति ?

दुनियावी चक्रव्यूह में निरंतर घिरते जा रहे अमेरिका ने जब यौद्धिक %चंद्रायण व्रत% की बात कही तो सहसा विश्वास नहीं हुआ ! वहीं, दुनिया के थानेदार की मजबूरी, दूरदर्शिता और खुदाजी भी स्पष्ट महसूस हुई। क्योंकि लगातार किसी न किसी सांसारिक संघर्ष में उलझकर थक-हार चुके देश अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी विकट्री रेली में विकट्री स्पीच देते हुए जो कुछ संकेत दिया, उसका सार-सत्य यही है कि अपने लोगों के बेहतर भविष्य के लिए अमेरिका अब तीसरा विश्व युद्ध नहीं लड़ना चाहता है और इसकी बची-खुची संभावनाओं को भी जल्द खत्म करने की हिमायत करेगा।

इसलिए सवाल उठ रहा है कि क्या अमेरिका के स्वर्णिम दौर में शेष विश्व को तीसरे विश्वयुद्ध से मुक्ति मिल पाएगी? या फिर यह किसी अन्य देश यथा- चीन या रूस के मार्फत अन्य देशों पर थोपी जाएगी, जिससे प्रथम विश्वयुद्ध की भांति अमेरिका दूर रहेगा। यूं तो दूसरे विश्वयुद्ध के शुरुआती चरण में भी अमेरिका इस महायुद्ध से दूर ही रहा था, लेकिन जब मजबूरी वश उसमें शामिल हुआ तो युद्ध के परिणामों को अपने गुट पक्ष में बदल दिया।

वहीं, उसकी मौजूदा साफगोई से भी इसी बात का पता चलता है कि अभी भले ही वह तीसरा विश्वयुद्ध नहीं लड़ना चाहता हो, लेकिन यदि उस पर तीसरा विश्वयुद्ध थोपा गया तो इसके भी परिणाम बदलने की क्षमता उसमें है और रही-सही कसर को पूरा करने के लिए ही वह %मेक अमेरिका ग्रेट अगेन% पर फोकस करना चाहता है। कहा भी गया है कि अग्र सोची, सदा सुखी। इसलिए डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने अपना नया रास्ता चुन लिया है। अब शेष विश्व को यह तय करना है कि वह आगे क्या करेगा। इस नजरिए से भारत की राह भी स्पष्ट है। जो अमेरिका से अब एक हद तक मिलती जुलती है।

कहना न होगा कि समकालीन विश्व में कभी जल के सवाल पर, कभी तेल के प्रश्न पर, कभी रूसी कीप एंड बैलेंस की नीतियों से, तो कभी चीनी विस्तारवादी रणनीतियों से और कभी दुनिया के देशों पर शासन करने की इस्लामिक देशों की सामूहिक महत्वाकांक्षा से अभिप्रेरित तृतीय विश्वयुद्ध की अमूमन दस्तक देता रहता है। जानकार बताते हैं कि यूएसए और यूएसएसआर के बीच शीत युद्ध की समाप्ति के बाद भले ही अमेरिका ने दुनिया की थानेदारी की, लेकिन अमेरिकी नेतृत्व वाले %नाटो% को अब जिस तरह से रूस और चीन मिलकर %ब्रिक्स देशों% के मार्फत घेर रहे हैं, उससे तीसरा विश्वयुद्ध अवश्यम्भावी प्रतीत होता है।

आपने देखा होगा कि कभी मिडिल-ईस्ट देशों में, तो कभी क्राइ देशों के अगुवा के तौर पर अमेरिका की भूमिका अक्सर सदेह के घेरे में रही है। वहीं, रूस-यूक्रेन विवाद के युद्ध में तब्दील हो जाने के बाद अमेरिकी दुविधा को लेकर और उसकी नवपरिवर्तित आर्थिक नीतियों को लेकर यूरोपीय संघ के कुछ देशों, यथा- जर्मनी-फ्रांस-इंग्लैंड आदि के द्वारा जिस तरह से उसके नेतृत्व पर सवाल उठाए जाने लगे हैं, इससे अमेरिकी चिंता बढ़नी स्वाभाविक है।

वहीं, ग्रीन लैंड द्वीप को खरीदने, पनामा नहर पर पुनः अमेरिकी प्रभुत्व स्थापित करने, मेक्सिको के समीप दीवार खड़ा करने, कनाडा को अमेरिका में मिलाने आदि को लेकर जो अमेरिकी सक्रियता



दिखी है, उससे अमेरिकी-यूरोपीय महाद्वीपों में हलचल स्वाभाविक हैं। यदि एशिया महाद्वीप की बात करें तो यहां चीन-रूस की जोड़ी अमेरिका पर हावी है। भारत को साथ लेकर अमेरिका यहां संतुलन साधना चाहता है, लेकिन भारत-रूस की पुरानी मित्रता यहां आड़े आ जाती है। वहीं, अफगानिस्तान-पाकिस्तान-बंगलादेश-न्यामार-श्रीलंका आदि भारत के पड़ोसी देशों को लेकर और जम्मूकश्मीर से तिब्बत तक के विवादों को सुलझाने की दिशा में अमेरिका की %शुद्र रणनीतियों% की वजह से भारत भी उस पर पूरी तरह से भरोसा नहीं कर पा रहा है।

वहीं, उत्तर कोरिया, ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, दक्षिण चीन सागर से जुड़े देशों और आशियान देशों के प्रति अमेरिका की जो ढुलमुल रणनीति रही है, उससे भी भारत चिंतित रहता है। या फिर अरब देशों पर आधिपत्य को लेकर जो अमेरिकी रणनीति रही है, उससे भी भारत परेशान रहता है। भारत इजरायल के निकट है, लेकिन अरब देशों को भी नाराज करने की स्थिति में वह नहीं है। जबकि ईरान से लेकर यूक्रेन तक में अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो की जो भूमिका रही है, सीरिया से लेकर यूक्रेन तक जो अमेरिकी रणनीति रही है, इससे भारतीय कूटनीति भी प्रभावित होती आई है।

यही वजह है कि यदि अमेरिका अपनी पुरानी शस्त्र व्यापार कूटनीति पर अडिग रहता है तो तीसरा विश्वयुद्ध अवश्यम्भावी है। वहीं, इधर देखा जा रहा है कि जर्मनी-फ्रांस, भारत-जापान, ईरान-तुर्किये, ऑस्ट्रेलिया-ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका-इंग्लैंड, कनाडा-मैक्सिको आदि पर नाटो का प्रभाव जहां कम हुआ है, वहीं ब्रिक्स देशों के नेतृत्वकर्ता चीन-रूस का रणनीतिक दबाव बढ़ा है। ऐसे में अमेरिकी महत्वाकांक्षाओं को काबू में रखने में ही अमेरिका की भलाई है। शायद दुनिया के विभिन्न देशों की बढ़ती वैश्विक महत्वाकांक्षाओं के चलते ही अमेरिका ने अब अपने को कछुए की भांति निज कवच में ही महफूज रहने की रणनीति अपना ली है, जो उसका दूरदर्शिता भरा कदम है।

वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध, चीन-ताइवान विवाद आदि के बाद सम्भावित तीसरे विश्व युद्ध की अलग-अलग उठ रही शंकाओं/संभावनाओं को हतोत्साहित करने के लिए अपनी ओर से जो प्रतिबद्धता जताई है, वह काबिलेतारीफ है।

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद दिए

अपने भाषण में ट्रंप ने कहा कि %अमेरिका का स्वर्णिम काल अभी से शुरू हो गया है। हम अपनी संप्रभुता बनाए रखेंगे। दुनिया हमारा इस्तेमाल नहीं कर सकेगी। अमेरिका में अब घुसपैठ नहीं होगी।% इस दौरान एक बार फिर ट्रंप ने %मेक अमेरिका ग्रेट अगेन% का नारा दोहराया।

इस दौरान ट्रंप ने साफ कहा कि अमेरिका में अब सेंसरशिप नहीं होगी। आज की तारीख अमेरिकियों के लिए आजादी का दिन है। अब हमारे देश का कोई भी इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। जो भी इस देश का इस्तेमाल करेगा उसे सबक सिखाया जाएगा। ट्रंप ने अपने ऊपर चुनाव प्रचार के दौरान हुए हमले का जिक्र करते हुए कहा कि वह इसलिए ही बच गए क्योंकि उन्हें अमेरिका को बहुत आगे ले जाना है।

ट्रंप ने आगे यह भी कहा कि, %आज से, हमारा देश फिर से समृद्ध होगा और पूरी दुनिया में हमारा सम्मान किया जाएगा। हम किसी देश को खुद का अब और फायदा उठाने की अनुमति नहीं देंगे। हमारी संप्रभुता को दोबारा हासिल किया जाएगा। हमारी सुरक्षा बहाल की जाएगी। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता एक ऐसा राष्ट्र बनाना होगा जो गौरवान्वित, समृद्ध और स्वतंत्र हो।%

इसके अलावा, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, %हम अपनी दक्षिणी सीमा पर नेशनल इमरजेंसी की घोषणा करते हैं। उन्होंने मेक्सिको के साथ लगती अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर घुसपैठ को रोकने के लिए सेना भेजने का भी ऐलान किया और कहा कि अवैध प्रवासियों को वहीं छोड़कर आगे जहां से वो आए हैं।

दुनियादारी पर ट्रंप ने दो टूक कहा कि, अंतरिक्ष में अमेरिका का परचम लहराएगा। मेरी शपथ से पहले इजराइली बंधक छूटे। मिडिल ईस्ट में शांति बहाली के लिए कोशिश करेंगे। मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करेंगे। अमेरिका के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। मंगल ग्रह पर अंतरिक्ष यात्री भेजेंगे। सेना अपने मिशन के लिए आजाद होगी। डोनाल्ड ट्रंप ने फिर कहा, दूसरे की जंग में अमेरिका सेना नहीं जाएगी। मैं चाहता हू कि दुनिया मुझे शांति दूत के तौर पर जाने।

वहीं, चीन को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा कि पनामा कैनाल से चीन का अधिपत्य खत्म करेंगे। पनामा कैनाल को वापस लेंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि, मैं देशों को जोड़ने की कोशिश करूंगा। शांति स्थापित करना मेरी प्राथमिकता है। विरोधियों के खिलाफ बदले की कार्रवाई नहीं होगी। अमेरिका सैनिकों के अधिकार बढ़ाए जाएंगे। मैं युद्ध रोकने की कोशिश करूंगा।

वहीं, ट्रंप ने आगे कहा कि दूसरे देशों पर टैक्स और टैरिफ बढ़ाएंगे। हम देश की कानून व्यवस्था को पटरी पर लाएंगे। अमेरिका के लोगों को बोलने की स्वतंत्रता होगी। अमेरिका के दुश्मनों को हराकर रहेंगे। उन्होंने अमेरिका में ड्रग तस्करों को आंतकी घोषित करने का भी ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा, अमेरिकी न्याय विभाग का कस्ूर और अनुचित हथियारीकरण खत्म हो जाएगा। उन्होंने अमेरिका को लेकर अपनी नीतियों का भी खाका देश और दुनिया के सामने रख दिया है।

- कमलेश पाण्डेय

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

शख्सियत

70 के दशक की बोल्ड एक्ट्रेस थीं परवीन बाबी, तन्हाई बनी थी मौत का कारण

भारतीय सिनेमा में महिलाओं के रूढ़िबद्ध प्रतिनिधित्व को तोड़ने वाली अभिनेत्री परवीन बाबी 20 जनवरी को इस दुनिया को अलविदा कह गई थीं। 70 के दशक में जब अभिनेत्रियां सूट और साड़ी पहनकर स्क्रीन पर दिखती थीं। तब उस दौरान अभिनेत्री परवीन बाबी अपने बोल्ड अंदाज से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही थीं। करीब 3 दशक तक बड़े पर्दे पर राज करने वाली अभिनेत्री परवीन आर ही के दिन यानी की 20 जनवरी को इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह गई थीं। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर एक्ट्रेस परवीन बाबी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म

सौराष्ट्र के जूनागढ़ के एक मिडिल क्लास मुस्लिम परिवार में 04 अप्रैल 1949 को परवीन बाबी का जन्म हुआ था। उन्होंने अपनी शुरुआती शिक्षा पूरी कर सेंट जेवियर्स कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य में बीए किया था। पढ़ाई पूरी होने के बाद वह मॉडलिंग की दुनिया में सक्रिय हो गई थीं।

फिल्मी करियर

इसी दौरान मॉडलिंग में करियर बना रही परवीन बाबी की मुलाकात फिल्म निर्देशक बीआर इशारा से हुई। बताया जाता है कि परवीन को सिमारेट का कश लगाते देख बीआर ने फैसला कर लिया कि वही उनकी हिरोइन बनेंगी। फिर साल 1973 में रिलीज हुई फिल्म %चित्र% में पहली बार परवीन बाबी नजर आईं। हालांकि यह फिल्म तो बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल दिखा नहीं पाई, लेकिन परवीन बाबी का जादू दर्शकों पर चल गया था।

परवीन बाबी की लव लाइफ

बताया जाता है कि अभिनेत्री परवीन बाबी का पहला अफेयर डैनी के साथ था। डैनी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने एक-दूसरे को करीब 4 साल तक डेट किया था। लेकिन यह रिश्ता लंबा नहीं चल सका। इसके बाद अभिनेत्री की जिंदगी में कबीर बेदी आए और दोनों करीब 3 साल तक साथ रहे। लेकिन किसी कारणवश यह रिश्ता भी नहीं टिका। प्यार में दो बार फेल होने के बाद परवीन बाबी को महेश भट्ट का सहारा मिला। यह वो दौर था, जब परवीन बाबी इंडस्ट्री में अपना नाम बना चुकी थीं। तो वहीं महेश भट्ट उस दौरान फ्लॉप फिल्ममेकर थे। अभिनेत्री जब महेश भट्ट के साथ रिश्ते में थीं, तभी उनको पैरानायड स्किट्जोफ्रेनिया नामक मानसिक बीमारी हुई थी। बता दें कि सदी के महानायक अमिताभ बच्चन और परवीन बाबी ने कई फिल्मों में एक साथ काम किया था। लेकिन एक समय वह भी आया, जब यह अफवाह उड़ी कि अमिताभ और परवीन एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। जब कथित प्रेम प्रसंग की चर्चा होने लगी, तो अमिताभ बच्चन ने रिश्ता तोड़ दिया।

बाद में एक्ट्रेस ने आरोप लगाया कि अमिताभ बच्चन ने उनको किडनैप करने की कोशिश की थी और वह एक अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टर हैं। अभिनेत्री ने दावा किया कि उनको किडनैप कर अमिताभ बच्चन एक द्वीप पर ले गए थे। जहां पर अमिताभ ने एक्ट्रेस की सर्जरी की और उनके दाहिने कान के नीचे ट्रांसमीटर या चिप लगाई थी। परवीन बाबी ने अमिताभ बच्चन के खिलाफ मामला दर्ज करवाकर उन्हें कोर्ट में भी घसीटा था, लेकिन एक्ट्रेस की बीमारी का पता चलने पर उनके सभी आरोपों को खारिज कर दिया गया था।

मौत

बता दें कि 20 जनवरी 2005 को अभिनेत्री परवीन बाबी अपने घर में मृत पाई गई थीं। दरअसल, कई दिनों तक परवीन बाबी के घर के बाहर न्यूज पेपर और दूध के पैकेट पड़े रहे। यह देखकर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर जब पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो घर के अंदर से अभिनेत्री परवीन बाबी का शव मिला। बताया जाता है कि तन्हाई परवीन बाबी की मौत का कारण बनी थी।

मम्मी की एक्टिंग देख सिनेमा से हुआ प्यार



अनवर में दीप्ति के छोटे रोल से कैसे बनीं मिर्जापुर की बिना त्रिपाठी

रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी आगामी क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। मिर्जापुर में रसिका ने बिना त्रिपाठी का किरदार निभाया, जो मिर्जापुर सीरीज के हर एक प्रशंसक का पसंदीदा किरदार बन चुका है। रसिका ने बिना से पहले भी कई फिल्मों और सीरीज में बेहतरीन किरदार निभाए हैं, जिनमें उनके जबर्दस्त अभिनय ने दर्शकों का दिल जीता है।

मिर्जापुर-बिना त्रिपाठी

मिर्जापुर क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज में रसिका दुग्गल ने कालीन भैया की दूसरी पत्नी का किरदार निभाया था। यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इसके बाद इसका दूसरा भाग मिर्जापुर 2 और अब जल्द ही मिर्जापुर 2 आने वाली है। इस सीरीज में बिना त्रिपाठी के किरदार से रसिका ने सभी का दिल जीत लिया है।

अनवर-दीप्ति

रसिका दुग्गल का जन्म 17 जनवरी 1985 को बिहार में हुआ। रसिका वैसे तो कई भारतीय फिल्मों और वेब सीरीज में अपनी बेहतरीन भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं। 2007 में रसिका ने फिल्म अनवर में एक छोटी भूमिका के साथ स्क्रीन पर शुरुआत की थी। इस फिल्म में रसिका ने दीप्ति नाम का किरदार निभाया था। यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म थी, जिसे मनीष झा ने लिखा और निर्देशित किया है। रसिका के अलावा इस फिल्म में सिद्धार्थ कोइराला और मनीषा कोइराला के साथ राजपाल यादव और नीहीद सिरुसी भी नजर आए।

दिल्ली क्राइम

नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस क्राइम सीरीज दिल्ली क्राइम में रसिका दुग्गल के काम ने दर्शकों का दिल जीतने में जरा सी भी कसर नहीं छोड़ी। इस सीरीज को रिची मेहता ने लिखा और निर्देशित किया है। इस सीरीज में रसिका के अलावा में शेफाली शाह, आदित्य हुसैन और राजेश तेलंग नजर आए।

आउट ऑफ लव-डॉ. मीरा कपूर
रसिका दुग्गल के आउट ऑफ लव वेब सीरीज में भी बेहतरीन अभिनय किया है। यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुई थी। इस सीरीज में रसिका ने डॉ. मीरा कपूर की भूमिका निभाई थी। आउट ऑफ लव माइक बॉटलेंट द्वारा डॉक्टर फोस्टर पर आधारित एक भारतीय थ्रिलर ड्रामा टेलीविजन सीरीज है। इसका निर्देशन तिग्माशु धूलिया और ऐजाज खान ने किया है, जिसमें रसिका दुग्गल के अलावा पूरब कोहली मुख्य भूमिकाओं में नजर आए।

ए सूटबल बॉय

नेटफ्लिक्स और बीबीसी वन पर रिलीज हुई सीरीज ए सूटबल बॉय में भी रसिका दुग्गल के काम को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस सीरीज को मीरा नायर ने निर्देशित किया है। यह सीरीज विक्रम सेट के 1993 के इसी नाम के उपन्यास से इंद्रयू डेविस द्वारा रूपांतरित की गई है।



नंदामुरी बालकृष्ण के साथ काम करना एक सपने के सच होने जैसा था

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला का हालिया रिलीज गाना 'दबीदी दबीदी' को प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। अभिनेत्री ने बताया कि नंदामुरी बालकृष्ण के साथ डांस करना उनके लिए सिर्फ एक परफॉर्मंस नहीं, बल्कि इससे कहीं बढ़कर रहा। यह उनके लिए कला के प्रति सम्मान था। अभिनेत्री ने कहा, नंदामुरी जैसे दिग्गज के साथ काम करना एक बड़ा सम्मान है। नंदामुरी सर के साथ डांस मेरे लिए सिर्फ एक परफॉर्मंस नहीं था, यह कला, कड़ी मेहनत और कला के प्रति सम्मान है। उनके साथ काम करना एक सपने के सच होने जैसा था और हर कदम, हर इशारा साथ मिलकर कुछ खूबसूरत करने का था। अभिनेत्री ने कहा कि वह हर फीडबैक को महत्व देती हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात मेरे फैस से मिलने वाला प्यार और हमारे बीच का सच्चा जुड़ाव है। कला हमारी भावनाओं को दिखाती है और आलोचना चाहे जितनी भी हो, मेरा उद्देश्य शानदार और बेस्ट परफॉर्म करने में रहा है। फिल्म के 100 करोड़ रुपये के बजट में पहुंचने के बारे में उन्होंने कहा, मैं 2025 की पहली आउटसाइडर अभिनेत्री के रूप में इतिहास रचने और इतनी तेजी से 100 करोड़ रुपये के बजट में शामिल होने के लिए खुद को लकी मानती हूँ। मैं इस फिल्म को मिले रिएक्शन से वाकई बहुत खुश हूँ। ब्लॉकबस्टर फिल्म बनना एक सपने के सच होने जैसा है और मैं इस सफलता का श्रेय अपने प्रशंसकों, फिल्म की टीम और दर्शकों के प्यार और विश्वास को देती हूँ। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में एक बाहरी व्यक्ति के रूप में, यह मौल का पत्थर बहुत मायने रखता है, यह कड़ी मेहनत, दृढ़ता और खुद पर विश्वास का वजह से है। उन्होंने कहा, यह उपलब्धि सिर्फ मेरी नहीं है, यह उन सभी के लिए है, जो बड़े सपने देखने और बाधाओं को तोड़ने की हिम्मत रखते हैं। यहां और अधिक सार्थक सिनेमा, कभी ना भूल पाने वाली कहानियां और साथ मिलकर इतिहास बनाने के लिए प्रयास जारी है!



बॉलीवुड में जल्द ही एक और स्टार किड पर्दे पर दस्तक देने जा रही है और वह नई-नवेली हीरोइन है राशा थडानी। मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा निर्देशक अभिषेक कपूर की फिल्म आजाद से अपनी फिल्म पारी का आगाज करने जा रही हैं। खास बात यह है कि बचपन से एक्ट्रेस बनने का सपना देखने वाली राशा ने अपनी 12वीं की पढ़ाई भी पूरी नहीं की थी, जब उन्हें यह फिल्म मिल गई। इसके चलते, उन्हें फिल्म की शूटिंग के दौरान अपने बोर्ड एग्जाम की तैयारी भी करनी पड़ी। बकौल राशा, सिनेमा के लिए उनका प्यार अपनी मम्मी रवीना टंडन के सेट पर हुआ। वह कहती हैं, सिनेमा से प्यार तो मुझे बचपन में ही हो गया था, क्योंकि जब मैं छोटी थी, तब मम्मा के साथ उनके सेट पर बहुत जाती थी। मैंने उन्हें कैमरे के सामने परफॉर्म करते हुए काफी देखा है और उनसे बहुत सीखा भी है। मम्मी को डांस करते या कैमरे के आगे एक्सप्रेशन देते हुए देखना मेरे लिए बहुत प्रेरित करने वाला था। इसलिए, जब मैं बड़ी हो रही थी, तब मुझे पता था कि मुझे भी एक्टिंग ही करनी है। यह बात मेरी मम्मा और पापा भी जानते थे क्योंकि मेरा और कोई इंटरेस्ट नहीं था। फिल्म में राशा का डांस नंबर उर्दू अम्मा काफी पॉपुलर हो चुका है। राशा की मां रवीना टंडन के तू चीज बड़ी है मस्त-मस्त, अखियों से गोली मारे, शहर की लड़की जैसे कई आइकॉनिक डांस नंबर रहे हैं, तो क्या राशा ने अपनी मां से डांस के टिप्स लिए? इस पर उन्होंने बताया, मैं बचपन से डांस कर रही हूँ। मैंने कथक सीखा है तो उससे मुझे बहुत मदद मिली। इसके अलावा, मम्मा ने मुझे अपने गानों के बजाय हमेशा रेखा जी के गाने, उनकी परफॉर्मेंस देखवाई। जैसे इन आंखों की मस्ती में... गाने में छोटे छोटे पार्ट ब्रेक करते वह सिखाती थीं कि देखो, रेखा जी के एक्सप्रेशन यहां पर कैसे है, तो मम्मी ने हमेशा यह सिखाया कि डांस में एक्सप्रेशन बहुत मायने रखता है।

बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन में मुख्य किरदार निभाएंगी अभिनेत्री दीक्षा धामी

नए साल की शुरुआत के साथ, शेमारू उमंग अपने दर्शकों के लिए एक नया और रोमांचक शो लेकर आ रहा है, जिसका नाम है बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन। हाल ही में रिलीज हुए प्रोमो ने दर्शकों को चैन से परिचित कराया, जो एक जिंदादिल और चतुर लड़की है। इस किरदार को प्रतिभाशाली अभिनेत्री दीक्षा धामी निभा रही हैं। राजस्थान की खूबसूरत पृष्ठभूमि पर आधारित इस कहानी में परिवार, परंपराओं और सत्ता संघर्ष का ताना-बाना बुना गया है। स्मार्ट और दिल की साफ लड़की चैना, गाँव की रहने वाली है, जो जीवन की चुनौतियों का सामना अपनी बुद्धिमानी और अनोखे अंदाज से करती है। लेकिन, उसकी दुनिया तब बदल जाती है, जब हालात उसे गाँव की गलियों से एक भव्य हवेली तक ले आते हैं। उन्होंने आगे कहा, नए साल की शुरुआत इतने शानदार मौके के साथ करना मेरे लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। चैना एक बहादुर और अपने परिवार से जुड़ी हुई लड़की है। वह चालाक है, एक स्वाभाविक कहानीकार है और हमेशा अपने आसपास के लोगों के लिए सही समाधान ढूँढती है। इस किरदार को निभाते हुए मैंने बहुत कुछ सीखा है और इसे और निखारने के लिए मैं कड़ी मेहनत कर रही हूँ। दीक्षा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, एक अभिनेत्री के रूप में हर प्रोजेक्ट मेरे लिए एक नई सीख लेकर आता है, लेकिन यह शो मेरे दिल के बेहद करीब है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक चैना की यात्रा से जुड़ाव महसूस करेंगे, उसकी भावनाओं को समझेंगे और इस खूबसूरत कहानी का भरपूर आनंद लेंगे।



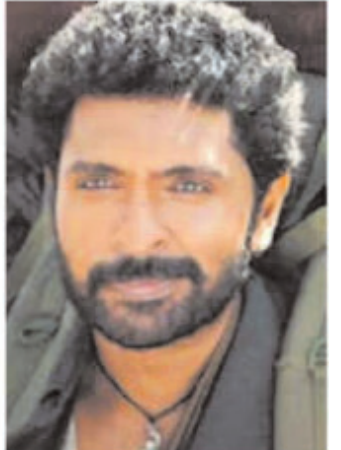
बाहुबली एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी की घाटी में विक्रम प्रभु की एंट्री

बाहुबली एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी की मोस्ट अवेटेड फिल्म घाटी से फर्स्ट लुक उनके जन्मदिन पर जारी किया गया था। कृष्ण जगरलामुडी द्वारा निर्देशित फिल्म की इस झलक में वो काफी हिंसक दिख रहे थीं। उनकी आंखों में प्रतिशोध की आग और माथे पर खून से अधिक गुर्रसा साफ दिख रहा था। अब इस फिल्म को लेकर एक ताजा अपडेट सामने आया है। अनुष्का शेट्टी की इस फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि विक्रम प्रभु इस फिल्म में लीडिंग रोल में नजर आएंगे। ये फिल्म यूवी क्रिएशन द्वारा प्रस्तुत और राजीव रेड्डी और साई बाबू जगरलामुडी द्वारा निर्मित किया गया है। ब्लॉकबस्टर वेदम की सफलता के बाद, घाटी अनुष्का और कृष्ण की दूसरी फिल्म है, और यह यूवी क्रिएशन के साथ अनुष्का की चौथी फिल्म भी है।

विक्रम प्रभु दमदार किरदार में नजर आएंगे
इस फिल्म में विक्रम प्रभु, देसी राजू के दमदार किरदार में नजर आएंगे। इस फर्स्ट लुक में विक्रम को घने जंगलों और बीहड़ घाट में पुलिस द्वारा पीछा करते हुए दिखाया गया है। विक्रम के कई जबर्दस्त एक्शन सीकेंस हैं जहां वह गुड़ों से भिड़ते दिखेंगे।

अनुष्का और विक्रम के बीच शानदार केमिस्ट्री
एक्शन से भरपूर सीकेंस हल्के-फुल्के रोमांटिक टच के साथ खत्म होते हैं, जब विक्रम और अनुष्का एक-दूसरे के आसपास बाइक चलाते हुए नजर आते हैं जहां वे एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराते हैं, जो यह दर्शाता है कि फिल्म के निश्चित रूप से उनके बीच जबर्दस्त केमिस्ट्री होगी। फिल्म में न केवल हाई-ऑक्टन एक्शन बल्कि एक मजेदार लव स्टोरी भी देखने को मिलेगी।

तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी सहित कई भाषाओं में रिलीज होने के लिए तैयार है।



संघर्ष के दिनों में मां मेरी नौकरी लगवाना चाहती थीं

आर्मी अफसर बनने की ख्वाहिश रखने वाले जयदीप अहलावत को जब वहां रिजर्वेशन का सामना करना पड़ा, तब वह इस बात से अनजान थे कि भविष्य में अभिनय के क्षेत्र में नाम कमाने वाले हैं। सख्खड़ से ग्रेजुएट हुए जयदीप अहलावत ने अभिनय जगत में भी संघर्ष किया, मगर गैंग्स ऑफ वासेपुर ने उनकी किस्मत बदल दी। फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी पर भी सहायनीय काम करने वाले जयदीप बहुत जल्द वेब सीरीज पाताल लोक के सीजन 2 में नजर आएंगे। आप फौज में जाना चाहते थे, मगर फिर अभिनय के क्षेत्र में आए, छोटे-मोटे रोल्स किए और आज तो आपके लिए खास तौर पर किरदार लिखे जा रहे हैं? सच कहूं, तो आप धन्य होते हैं। ग्रीटियुड महसूस करते हैं। आप उनके प्रतिअहसानमंद होते हैं, जिन लोगों ने आप पर भरोसा दिखाया। जब मुझे किसी एक काम का क्रेडिट मिलता है, तो मुझे वो सारे चेहरे याद आ रहे होते हैं, जिनके साथ मिलकर वो काम हुआ और मैं सभी को हाथ जोड़कर शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ। वैसे मैं ऊपरवाले का इसलिए भी धन्यवाद अदा करना चाहूंगा, कि मेरे हाथ-पैर सलामत हैं। मेरा दिमाग चल रहा है और मेरे इर्द गिर्द के लोग मुझे सपोर्ट करते हैं। एक अभिनेता के रूप में इसलिए भी शुक्रगुजार हूँ कि अच्छे काम मिलता गया। क्या ये सच है कि संघर्ष के दिनों में आपकी मम्मी आपकी नौकरी लगवाना चाहती थीं? हां, बिल्कुल सही है ये बात। मां को लगता था कि

सरकारी नौकरी होगी, तो बंधी हुई तनख्वाह मिलेगी। उन्हें लगता था कि मेरा भविष्य सेफ हो जाएगा। हम सभी उसी बैकग्राउंड से आते हैं, जहां माता-पिता को लगता है कि बच्चा कोई सरकारी या सिविल नौकरी कर ले ताकि उनकी वित्ता खत्म हो जाए कि बच्चे सर्वाइव कैसे करेंगे? खाना कहाँ से आएगा? वो फिर हम सभी मिडिल क्लास के माता-पिता की रहती हैं। मेरी मां ने जब मेरी नौकरी की बात कही, तब मैंने फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। एक दिन मां ने काम का हालचाल जाना और बोली कि वह जान-पहचान वाले रूझ से कह कर एक जूनियर प्रोफेसर की नौकरी जरूर लगवा सकती हैं। गैंग्स ऑफ वासेपुर, राजी, एक्शन हीरो जैसी फिल्में हों या फिर पाताल लोक और द ब्रोकन न्यूज जैसी सीरीज, एक एक्टर के रूप में दोनों में काम करने के तरीकेदार में क्या अंतर पाते हैं? एक अदाकार के रूप में कोई खास फर्क नहीं लगता, क्योंकि रोल के प्रति आपका समर्पण एक-सा होता है। आपकी कोशिश यही होती है कि आप अपने किरदार को ज्यादा से ज्यादा विश्वसनीय बना सकें। एक अंतर यह है कि वेब सीरीज में आप लंबे समय तक किरदार में रमे रहते हैं, तो जैसे पाताल लोक है, तो उसमें लगभग तीन फिल्मों जितना वक्त लगा पर उसका फायदा ये होता है कि आप किरदार को बहुत विस्तार से किया जा सकता है। तो कैरेक्टर को बिल्ड करना थोड़ा सरल है। फिल्मों में लेंथ कम होती है तो वो थोड़ा

जल्दी हो जाती है। वेब सीरीज में थोड़ी-सी एनर्जी और वक्त देना होता है। लेकिन एक एक्टर के तौर पर आपकी अप्रोच वही होती है। आपकी इस वेब सीरीज के सीजन 2 में आपके लिए इस रोल में क्या क्या होगा? नयापन तो स्क्रिप्ट में है। एक इसान जो कई फुट पर हारा हुआ-सा फील करता है, मगर वो ऐसा है नहीं। लोगों को लगता है कि वो फेल्योर है, मगर है नहीं। इतने बड़े केस को सुलझाने के बावजूद उसकी दुनिया में कुछ नहीं बदला है, क्योंकि कुछेक लोगों के अलावा सच किसी को नहीं पता। अब जो चुनिंदा लोग जो उसके करीबी हैं, उनकी नजर में हाथीराम चौधरी के प्रति लोगों का नजरिया बदल गया है। वो एक सत्यान्वेषी टाइप का आदमी है और सचाई जानने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। सीजन 2 में आपको एक अलग ही दुनिया देखने को मिलेगी, जहां आप खान-पान या किसी भी चीज से वाकिफ नहीं होंगे। इसकी जो पॉलिटिकल और भौगोलिक कंडीशंस हैं, वे हाथीराम चौधरी की पहुंच से बाहर हैं। मगर वो वहां भी सर्वाइव करता है। उसकी जान पर बन आती है, मगर वो पीछे नहीं हटता। आपकी निजी जिंदगी का पाताल लोक क्या है? दिन भर में समय न मिल पाना मेरा पाताल लोक बन जाता है। बीते लंबे समय से मैं काम के कारण काफी मसरूफ रहता हूँ और ऐसे में जब मैं बिल्कुल अकेला न होऊँ, जब मुझे अपने लिए आधे घंटे का भी समय न मिले, तो वो मेरा पाताल लोक बन जाता है।

शाह बानो की लाइफ पर बेस्ट फिल्म में दिखेंगी यामी गौतम

मां बनने के बाद यामी गौतम एक बार फिर बड़े परदे पर वापसी करने जा रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... एक्ट्रेस, शाह बानो की लाइफ पर बेस्ट फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगी। बता दें कि शाह बानो ने अपने पति से तलाक के बाद मेंटेनेंस पाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी थी। यह केस 1985 में ट्रिपल तलाक, महिलाओं के अधिकार और मुस्लिम पर्सनल लॉ से जुड़ा था। शाह बानो के पक्ष में आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला देशभर में सामाजिक और कानूनी चर्चा का विषय बन गया था। शाह बानो का ट्रिपल तलाक केस मामले में काफी योगदान रहा है। यामी गौतम इस फिल्म के जरिए दर्शकों को इसी केस की अहमियत समझाएंगी।



सर्दियों

में सांस के रोगी रहें सचेत

गुलनात्मक रूप से बढ़ जाती है, जिससे सांस की नली सिकुड़ती है। इस कारण सांस के रोगियों में समस्या की आशंका बढ़ जाती है।

वृद्ध रहें सजग

वृद्धों में सांस संबंधी समस्याएं कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती हैं। दरअसल बुजुर्गों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण उन्हें सांस संबंधी बीमारियों का ज्यादा खतरा रहता है।

दमा या अस्थमा- वातावरण में किसी भी प्रकार के बदलाव से शरीर में परिवर्तन होता है, जिससे, एलर्जी और अस्थमा के रोगी मुख्य रूप से प्रभावित होते हैं। जाड़े में इन मरीजों की परेशानियां बढ़ जाती हैं। इसलिए उन्हें विशेष तौर पर अपना ख्याल रखने की सलाह दी जाती है।

फ्लू या इंग्लिश- यह समय फ्लू या इंग्लिश का वाइरस के सक्रिय होने का है। इस कारण फ्लू के मामलों में काफी वृद्धि हो जाती है। बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाएं और एच.आई.वी. से पीड़ित रोगियों में यह संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

क्या करें

- सांस के रोगी खासकर दमा के मरीज न सिर्फ सर्दी से बचाव करें बल्कि नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें। डॉक्टर की सलाह से अपने इनहेलर की डोज भी दुरुस्त कर लें। कई बार इनहेलर की मात्रा बढ़ानी होती है।

- सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कान को खासतौर पर ढके।
- सर्दी के कारण साबुन-पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें।
- गुनगुने पानी से नहाएं।
- सर्दी के मौसम में मालिश लाभप्रद है।
- सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू और सांस की अन्य बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को सुबह- शाम थाप (स्टीम) लेनी चाहिए।

फ्लू के रोगी खांसे या छींकते समय मुंह पर हाथ रखें या रुमाल का प्रयोग करें।

फ्लू के रोगियों द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रुमाल व चादरों आदि को सुरक्षित विधि से साफ करें।

अगर आप में फ्लू के लक्षण हैं, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और घर में ही रहें।

फ्लू पीड़ित से कम से कम 1 मीटर दूर रहें।

हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, भारतीय पद्धति के अनुसार नमस्कार करें।

क्या न करें

- सर्दी में सांस के मरीजों को सुबह की सैर नहीं करनी चाहिए।
- सुबह ठंडे पानी से न नहाएं। सांस के रोगियों को अलाव के घुंघुं से बचना चाहिए, अन्यथा इससे उन्हें सांस का दौरा पड़ सकता है।



सर्दियों में तापमान में कमी और वातावरण में प्रदूषित तत्वों की बढ़ी हुई मात्रा सेहत के लिए मुसीबत का कारण बन सकती है। सर्दियों का मौसम खासतौर पर सांस के मरीजों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन जाता है। इस मौसम में सांस संबंधी विकृतें जैसे दमा, फ्लू और सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है।

प्रदूषित कोहरे का दुष्प्रभाव

सर्दियों में होने वाला कोहरा (जो वायुमंडल की जलवाष्प के संघनित होने से बनता है) कموबेश अनिरीक्षित होता है, लेकिन धूप और सस्पेंडिड पार्टिकल्स (छोटे-छोटे प्रदूषित कणों) के इर्द-गिर्द जमाने से बना स्मॉग (प्रदूषित कोहरा) मानव शरीर और खासतौर पर श्वसन तंत्र के लिए किसी विपत्ति से कम नहीं होता। इस वजह से लोगों की आंखों में जलन, आंसू, नाक में खुजली, गले में खराब और खांसी जैसी लक्षण सामान्य तौर पर देखने को मिलते हैं। सर्दी बढ़ने के साथ ही सांस की नली की संवेदनशीलता

ठंड में त्वचा रोगों से बचाव के घरेलू नुस्खे

- सर्दी के मौसम में स्वस्थ त्वचा के लिए जरूरी है नियमित आन। भले ही आप प्रतिदिन न नहाएं परंतु हर दूसरे दिन नहाने का नियम बनाएं। जिस दिन नहीं नहाएं, उस दिन रफ़्त कर दें तथा अंदर के कपड़े अवश्य बदलें। नहाने के लिए ठंडा गर्म जैसा पानी चाहिए, इस्तेमाल कर सकते हैं।
- जाड़े में साबुन का प्रयोग ज्यादा न करें। नहाने से पहले पूरे बदन में तेल लगाएं। नहाने के बाद तेल या माश्वराइजर का उपयोग करें। पानी से करने वाले काम एक ही बार में निपटा लें। बार-बार पानी में हाथ न डालें। यदि पानी का काम करना जरूरी हो तो पहले हाथों में मलाई लगाएं। दस्ताने पहन कर काम करने से त्वचा सुरक्षित रहती है।
- सर्दियों में धूप का नियमित सेवन करके विलब्लेस व डर्माटाइटिस जैसी रोगों से बचा जा सकता है। धूप में उतना ही बैठें जितनी देर आराम महसूस करें। अगर त्वचा लाल पड़ने लगे या सूजने लगे, तो धूप से हट जाएं। जिन्हें धूप से एलर्जी है उनके लिए सर्दी की धूप भी नुक्सानदायक है। ऐसे लोग धूप में कम निकलें। जब भी धूप में निकलें तो सिर पर स्कार्फ बांध लें या छतरी भी लगा सकते हैं।
- हाथ-पैर की उंगलियों के सुख होने, खून का दौरा कम होने या त्वचा के फटने से बचने का सबसे अच्छा उपाय है संतुलित आहार। भोजन में दूध, दही और हरी सब्जियां खूब लें। विटामिन ए ज्यादा से ज्यादा लें। त्वचा के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद है।
- यूरिया आयरमेट त्वचा के फटने, सूजन और लाल होने वाली त्वचा के उपचार के लिए बहुत उपयोगी है। यह यूरिया से बनती है। इसको मलने से त्वचा काफी देर तक मुलायम बनी रहती है। इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा में होने वाले रोगों से बचा जा सकता है तथा त्वचा स्वस्थ रहती है।

रूखी त्वचा को कोमल बनाता है नारियल तेल

ठंड के कारण कई समस्याएं होती हैं। इस मौसम में त्वचा के रोग और सर्दी-जुकाम होना आम बात है। इन समस्याओं से निबटने के लिए प्रस्तुत हैं कुछ आसान घरेलू उपाय, जिनसे इन समस्याओं से निबटा जा सकता है।

- रूखी त्वचा से बचने के लिए नैचुरल मॉस्च्युराइजर, जैसे- नारियल तेल लगाएं।



- शहद के साथ गुलाब जल मिला कर चेहरे पर लगाएं। इससे त्वचा में चमक आएगी और चेहरा साफ होगा।
- खान से पहले नारियल तेल लगा लें, इससे चिकनाई और कोमलता आएगी।
- नींबू का रस लगाएं, इसमें मौजूद विटामिन-सी चेहरे की चमक बनाये रखती है।
- सर्दी के मौसम में विटामिन की कमी के कारण होठ फटने लगते हैं, इसलिए टमाटर, गाजर, साबुत अनाज और फल-सब्जियों का सेवन करें।
- नारंगी के छिलके के पाउडर में शहद मिला कर लगाने से त्वचा निखरती है।
- जितना हो सके, आहार में विटामिन-इ युक्त खाद्य पदार्थों, जैसे- पालक, बादाम, कद्दू आदि का सेवन करना बेहतर होता है।

कहीं आप भी खून की कमी का शिकार तो नहीं हो रहे



18 ग्राम प्रति डेसीलीटर होनी चाहिए। वहीं महिलाओं में यह 12 से 16 ग्राम प्रति डेसीलीटर है। इससे कम मात्रा में पाए जाने वाले खून को एनीमिया कहते हैं। वैसे 10 ग्राम से अधिक खून वाले भी स्वस्थ रहते हैं, परंतु इससे कम खून वाले को अधिक से अधिक डाइट लेनी चाहिए।

एनीमिया की 3 स्टेज होती हैं, जिनमें प्रथम स्टेज को माइलड कहते हैं, जो 10 से 12 ग्राम होती है। वहीं 6 से 10 ग्राम को मोडरेट व 6 ग्राम से कम की स्थिति खतरनाक होती है। जिसे सीवियर एनीमिया कहते हैं।

एनीमिया अत्यधिक गंभीर रोग तब होता है जब हेमेटाइटिस बी, सी तथा एच.आई.वी. जैसे संक्रमण होते हैं।

डाक्टरों का सुझाव है कि अधिक मात्रा में भी आयरन का सेवन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे हृदय संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कैसे करें खून की कमी पूरी

1 एनीमिया से निजात पाने के लिए बैलेंस डाइट जरूरी है। प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन, मांस, मछली में ही नहीं दूध, हरी सब्जियां, गट्टर, फलियां तथा पत्तेदार सब्जियां, शीरा, गुड़, किशमिश, खजूर, सेब इन सबमें अलग-अलग रूप में मिल जाते हैं। इन तत्वों में खून बनने में सहायता मिलती है।

2 खाना खाने से पहले व बाद में आधे घंटे तक वायु का सेवन भी नहीं करना चाहिए। चाय खाने में मिलने वाले पौष्टिक तत्वों को डाइजेस्ट नहीं होने देती।

3 आयरन युक्त डाइट तभी फायदेमंद होती है, जब उसके साथ विटामिन सी का भी सेवन किया जाए। विटामिन सी के लिए अमरुद, आंवला और संतरे का जूस लें। वैसे तो बैलेंस डाइट और हैन्डी लाइफ स्टाइल ही काफी है लेकिन फिर भी किसी कारण से एनीमिया हो जाता है तो प्रायर ट्रीटमेंट लेना आवश्यक है। डाक्टर की सलाह से ब्लड टेस्ट कराएं ताकि बीमारी का कारण पता चल सके। उसके बाद ही डाक्टर आपका सही ट्रीटमेंट कर सकेंगे।



सेहत का खजाना है पालक

हरी सब्जियों में पालक का नाम सबसे ऊपर है। यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद है। इसमें शरीर के लिए आवश्यक अमीनो एसिड, विटामिन ए, फोलिक एसिड, प्रोटीन और लौह तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके सेवन कई रोगों से भी छुटकारा मिलता है।

यह हरी पत्तेदार सब्जी गुणों से भरपूर है। पोषक तत्वों की प्राप्ति के लिए इसका नियमित सेवन बेहतर माना जाता है। पालक में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्रा में होते हैं। इसके अलावा विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, फोलिक एसिड, मैग्नीशियम की भी प्रचुरता होती है। शोध के अनुसार एक कप पालक को दिन भर की मैग्नीशियम की जरूरत का 40 प्रतिशत प्राप्त हो जाता है। मधुमेह पीड़ित लोगों के लिए भी पालक अच्छा विकल्प है। दही के साथ कच्चे पालक का रायता बहुत ही रसदार और गुणकारी होता है।

इन रोगों से बचावा है ऑस्टियोपोरोसिस - खनिज तत्वों की प्रचुरता के कारण यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और

ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखता है।

आंखों की रोशनी - पालक मैकुलर डिजेनरेशन का जोखिम भी कम करता है। मैकुलर डिजेनरेशन 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का मुख्य कारण है। इसके अलावा, विटामिन ए की कमी से रतौंधी और आंखों की रोशनी में कमी जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं।

शरीर की क्षतिपूर्ति में सहायक - प्रचुर मात्रा में मौजूद फोलेट हीमोग्लोबिन और कोशिकाओं की सामान्य क्षति को पूरा करता है और इससे शरीर स्वयं अपने नुकसान की मरपट्टी कर लेता है।

एटीऑक्सीडेंट - यह शरीर में उपापचय व अन्य सामान्य क्रियाओं के दौरान बननेवाले फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में सहायक है। फ्री-रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर तथा हृदयरोगों के कारण बन सकते हैं।

वजन घटाने में सहायक - इसमें फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है, इसलिए यह मोटापा घटाने के इच्छुक लोगों के लिए आदर्श आहार है। सलाद, सब्जी और जूस में पालक का ज्यादा-से-ज्यादा

उपयोग बेहतर होता है।

पोस्टमेनोपॉजल सिंड्रोम - पालक में मौजूद मैग्नीशियम पीएमएस के लक्षणों में कमी लाता है। इस अवस्था में पेट फूलने जैसी शिकायतों से बचने के लिए पालक बेहतर विकल्प है।

प. तिरु & 11 प्रणाली बनाता है गजबूत - पालक में मौजूद पोषक तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और शरीर को सामान्य संक्रमणों से बचाते हैं।

बालों को मिले मजबूती - इसमें बालों के लिए आवश्यक विटामिन भी विशेष मात्रा में होते हैं। बाल झड़ने से परेशान लोगों को कच्चे पालक का सेवन करना चाहिए।

ये लोग न करें सेवन - पालक में कैल्शियम

और फॉस्फोरस होता है, जो मिल कर कैल्शियम फॉस्फेट बनाता है। यह पानी में घुलता नहीं है, जिससे पथरी बन जाती है। इसलिए पथरी के



रोगियों को सिर्फ पालक की सलाह नहीं देनी चाहिए। पालक और हरी पत्तेवाली गैरी मिला कर साग बना कर खाने से पथरी नहीं बनती है। कच्चे पालक के रस के सेवन करने से भी पथरी नहीं होती है।

घर पर करें गोभी और मिर्च से रोगों का उपचार

जार्जटाऊन यूनिवर्सिटी मेडिकल रीटर् के शोधकर्ताओं के अनुसार फूलगोभी, पत्तागोभी तथा जलकृष्णी परिवार की सब्जियों में एक प्रकार का पदार्थ पाया जाता है जो मानव एवं जानवर दोनों में फेफड़े का कैंसर रोकने में सहायक होता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार 'प्रेफेक्स' नामक एक ऐसा पदार्थ गोभी में पाया जाता है जो फेफड़े को कैंसरग्रस्त होने से रोकता है। यह पदार्थ सेक्स उतेजक भी होता है। इसी प्रकार मिर्च खाने से शरीर की चर्बी कट जाती है और वजन कम हो जाता है।

मिर्च की तासीर के कारण चर्बी बढ़ाने वाली कोशिकाएं खुद व खुद नष्ट होने लगती हैं। ताईवान के शोधकर्ता चिन-लिन-शू के अनुसार मिर्च शरीर के चयापचय की प्रक्रिया को तेज करती है और यह मोटापे को कम करने के साथ ही कलरा तथा ब्रकाइटिस जैसी बीमारियों का उपचार भी करती है।



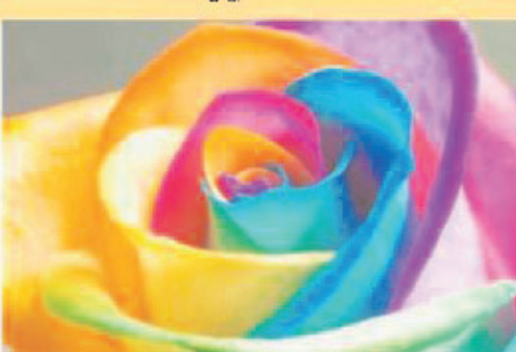
- गोभी और मिर्च से बहुत से रोगों का उपचार घर पर ही किया जा सकता है। आईए जानें कैसे
- गोभी में गौजूर फाइबर पावन क्रिया को दुरुस्त रखते हैं और पेट संबंधी रोगों से राहत देते हैं।
- गोभी का सेवन करने से कैंसर जैसी शायानक बीमारी का खतरा कम होता है।
- गोभी का सेवन मोटापे से निजात दिलाता है।
- गोभी में कैल्शियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो शरीर की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद होती है और दांतों को भी मजबूत बनाने में मददगार साबित होती है।

मिर्च

- जब आप हरी मिर्च अपने दांत से चबाते हैं तो इसका तीखा अनुभव आपके मुंह में अधिक थूक पैदा करता है जो रक्त के थक्कों को घोलने में काफी सहायक होता है।
- हरी मिर्चों में विटामिन सी की मौजूदगी शरीर को खारों, जुकाम तथा श्वास संबंधी अन्य समस्याओं से बचाने में सहायता करती है।
- हरी मिर्च में मौजूद विटामिन के ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है।
- हरी मिर्च एक प्राकृतिक दर्द निवारक है और यह ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी स्थितियों में इलाज में काफी लाभदायक होती है।
- मोटापे से पीड़ित लोगों में कोलेस्ट्रॉल के स्तरों को कम करने में हरी मिर्च काफी सहायक होती है।

मानव पर रंगों का प्रभाव

स्फेद रंग हल्केपन एवं शीतलता का आभास देता है। पीला रंग उतकृष्णता, हल्केपन खुलेपन और गर्माहट का आभास देता है, नब्ज की रफ्तार तेज करता है परंतु आक्रामक प्रतिक्रिया भी पैदा कर सकता है। बैंगनी रंग थकान और भारीपन का भ्रम उत्पन्न कर थकान, बोरियत या बोझ की अनुभूति करता है।



गहरा नीला रंग मस्तिष्क को विश्र्वांत देता है किन्तु दुःख का बोध भी कराता है। गहरे नीले रंग से पूरा कमरा ठंडा एवं भरा-भरा प्रतीत होता है।

हरा रंग शांति एवं शीतलता का अहसास कराता है। आंखों से दबाव घटाकर नेत्र ज्योति तेज करता है। खून का दबाव भी सामान्य करता है। हल्का नीला रंग शीतलता व अलगवा द्वारा चैन देता है। काला रंग ओजसविता कम करता है, अवसादकारक एवं उत्पीड़क बोझ देने वाला है। काले रंग पुते तल काफ़ी बड़े प्रतीत होते हैं। भूरा रंग स्थायित्व, गर्म और मानसिक संतुलन बोधकारक होता है। सलेटी रंग को ठंडा, नीरसता व विरक्तिबोधक माना जाता है। श्वेत एवं नीले रंग के सम्मिश्रण को शीतलता और चैन का धोतक कहा गया है। जामुनी रंग गर्म एवं उत्साहबोधक माना गया है। लाल रंग गर्मजोशी, मनोबल बढ़ाता है, मगर देर तक हावी रहना थकान एवं घटकन बढ़ाता है।

चौमू निवासी ओमप्रकाश दम्बिवाल ने दिया ईमानदारी का परिचय



जयपुर टाइम्स

चौमू(निसं.)। शहर के इंदिरा कॉलोनी भोमियाजी मंदिर के पास धोली मंडी चौमू में रहने वाले ओमप्रकाश दम्बिवाल ने ईमानदारी का परिचय दिया । दरअसल हुआ यूँ कि धोली मंडी चौमू निवासी ओमप्रकाश को एक एंड्रॉयड फोन मिला । जिसके मालिक का पता लगाकर इंदिरा कॉलोनी गोरिया निवासी राजेंद्र प्रसाद लाटा को बुलाकर मोबाइल चौमू नगर मंडल अध्यक्ष गजानन्द कुमावत के हाथों से उन्हें मोबाइल सुपुर्द कर दिया । मोबाइल मिलने पर राजेंद्र प्रसाद लाटा ने खुशी जाहिर की तथा ओमप्रकाश दम्बिवाल को धन्यवाद दिया

शक्ति दिवस मनाते हुए बिमारियों से बचाव के उपाय बताए



जयपुर टाइम्स

चाकसू(निसं.) चाकसू उपखंड क्षेत्र के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय झापदा कला में मंगलवार को शक्ति दिवस मनाया गया। वहीं प्रधानाचार्य रामलाल मीणा की देखरेख में कक्षा 1 से 8 वीं तक के बालको आयरन फोल्क एसिड की गोलियां वितरण करते हुए मौसमी बीमारियों की अलग-अलग दवाई दी गई। इस मौके पर पीएचसी झापदा कला की सुमन चौधरी ने बालकों को बुखार जुकाम व फोड़े फुंसी की दवा वितरण की गई। स्थानीय शाला के शिक्षक केलाश चन्द शमा ने हाथ धोने के तरीके बताए हुए मास्क लगाकर बीमारियों से बचने के बारे में बताया गया। इस मौके उपप्रधानाचार्य ओम शंकर शर्मा, रामेश्वर प्रसाद मीणा, कैलाश चंद मीणा, रामदयाल चौधरी, सूरजमल मीणा, अशोक कुमार गुप्ता, राकेश शर्मा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने पालिका इओ को लिखा पत्र

आयुर्वेदिक औषधालय को पुराने सीएचसी में भवन में शिफ्ट करने करने की, की मांग

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.)। पूर्व विधायक एवं भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी निर्मल कुमावत ने आयुर्वेदिक औषधालय को खाली पड़े पुराने सीएचसी भवन में शिफ्ट करने की मांग को लेकर पालिका इओ को पत्र लिखा है । पूर्व विधायक कुमावत ने पत्र में बताया कि लगातार स्थानीय लोगों की ओर से बार-बार आग्रह किया जा रहा था कि वर्तमान में संचालित औषधालय सार्वजनिक वाचनालय पर संचालित होने से बुजुर्गों,महिलाओं व बीमार व्यक्तियों को उपर चढ़ने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है जिसके कारण संचालित राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय का आमजन इसका लाभ नहीं ले पा रहे । आमजन की मांग को देखते हुए पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने राजकीय औषधालय को पुराने सीएचसी भवन में शिफ्ट करने की मांग की है ।

कॉमरेड सुगनाराम रूलाणिया को किया याद



जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(निसं.)। कॉमरेड सुगनाराम रूलाणिया की चतुर्थ पुण्य तिथि पर उपखंड कार्यालय के सामने स्थित धरनास्थल पर कार्यक्रम का अयोजन किया गया। जनहित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष एडवोकेट रामकुमार मेघवाल ने उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सुगनाराम रूलाणिया हमेशा हमारे लिए प्रेरणा स्रोत का काम करते रहेगे। मेघवाल ने कहा कि उनकी पुण्य तिथि से ही जिला का धरना शुरू किया गया था, जिसको आज पूरे तीन साल हो गए हैं। किसान सभा के अध्यक्ष तेजपाल गोदारा ने कहा कि उनके बताए सिद्धांतों को हमें ध्यान में रखना चाहिए। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर सुगनाराम रूलाणिया को श्रद्धांजली दी। इस दौरान आमीन खां, महेंद्र गुलेरिया, रामनारायण रूलाणिया, भंकरु खान, बशीर फौजी, सलीम खान, लियाकत अली, जगदेव बेड़ा, तेजपाल गोदारा, गंगाधर मूंड, पूनमचंद मेघवाल, गजानंद प्रजापत, रमेश गुलेरिया, आमीन खान, मुमताज खान, नगेन्द्र रणवा, सदीक मणिगया, महबूब बड़गुर्जर, जितेंद्र भागव, हसन सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

भरतपुर में कलेक्ट्रेट के सामने स्थित हॉस्टल में फंदे पर झूला दलित छात्र

भरतपुर राजस्थान में एक दलित छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. दिल दहलाने वाली यह वारदात राजस्थान के भरतपुर जिले से सामने आया ह। जहां मंगलवार को भरतपुर कलेक्ट्रेट के सामने स्थित भीमराव अंबेडकर छात्रावास में एक दलित छात्र रोहित उर्फ डब्बू ने फांसी लगा ली।मिली जानकारी के अनुसार मृतक छात्र बीए फाइनल का स्टूडेंट ह। वो गहनौली थाना क्षेत्र के दालिना गांव का रहने वाला था।

एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर में हुआ ध्यान एवं योग पर व्याख्यान

स्वयंसेवकाओं को नागरिक कर्तव्यों के प्रति किया जागरूक

जयपुर टाइम्स

चौमू(निसं.) राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमू में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के षष्ठ दिवस के अन्तर्गत प्राचार्य डॉ.राजेन्द्र कुमार के निर्देशन में एवं कार्यक्रम अधिकारी भगवान सहाय शर्मा एवं डॉ चन्द्र मोहन राजौरिया के नेतृत्व में विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम ध्यान एवं प्रार्थना से षष्ठ दिवस का शुभारम्भ हुआ। प्रथम सत्र में ध्यान एवं योग पर व्याख्यान हुआ। स्थानीय महाविद्यालय एवं हाटफूलनेस एजुकेशन ट्रस्ट के मध्य एमओयू किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर राजेंद्र कुमार, प्रोफेसर कविता गौतम व प्रोफेसर मीनाक्षी जैन एवं हाटफूलनेस एजुकेशन ट्रस्ट जयपुर की ओर से बीएस चौहान, मीनू गुप्ता,



ज्योति गुप्ता व कृष्णा पंवार उपस्थित रहे। द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता डॉ बृजमोहन वर्मा रहे। श्री वर्मा ने स्वयंसेविकाओं को नागरिक कर्तव्यों एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों के विषय में अवगत कराते हुए सभी स्वयंसेविकाओं से राष्ट्रीय उन्नति के लिए समवेत होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। तृतीय

सत्र में स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय के बाह्य परिसर में स्वच्छता हेतु श्रमदान किया। शिविर में स्वयंसेविकाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। स्वयंसेविका खुशी बुनकर, ईशा हरिजन, ईशानी रुण्डला, निशा यादव, पायल प्रजापत, सुनीता प्रजापत, प्रिया जाट ने आपने विचार प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन, 508 मरीज लाभान्वित

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.)। यहाँ के नागाजी की गौर स्थित शहरी पीएचसी पर नोडल अधिकारी बीसीएमओ डॉ. पूरण चंद गुर्जर के नेतृत्व में मंगलवार को मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। बीसीएमओ ने शिविर का निरीक्षण कर आमजन को केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में 1658 जनसहभागियों की उपस्थिति एवं 508 मरीजों की ओपीडी रही। बीपीएम विजय तिवाड़ी ने बताया कि शिविर में



मरीजों को विशेष विशेषज्ञों द्वारा दन्त रोग, नेत्र रोग, मेडिसन आदि सेवायें दी गई। वहीं गर्भवती महिलाओं की जांच, बच्चों का टीकाकरण, असंक्रामक रोग यथा डायबिटीज, हाईपरटेंशन, कॉमन कैन्सर, टीबी, अंधता रोगों की स्क्रीनिंग, ईसीसी सहित 37 प्रकार की निशुल्क जांच कर उपचार किया गया। आमजन की आभा आई.डी.

एवं बकाया ई-केवाईसी की गई। आरबीएसके टीम द्वारा छात्र-छात्राओं की स्क्रीनिंग कर उपचार किया गया, जिनका निरन्तर फॉलोअप किया जावेगा। बीसीएमओ ने शिविर के सफल

आयोजन के लिये प्रभारी डॉ. मानवेन्द्र यादव, डॉ. पूजा मीना, यामिनी त्रहान, एसएनओ लालचन्द यादव एवं चिकित्सालय स्टॉफ को धन्यवाद दिया। आगामी 22 जनवरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दातिल में शिविर का आयोजन किया जायेगा।

पीएम श्री रा.उ.मा. विद्यालय में निःशुल्क स्वेटर वितरण कार्यक्रम आयोजित



जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.)। निक्टवर्ती ग्राम बोबास में नव निर्माण एवं पर्यावरण केन्द्र की ओर से पीएम.श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बोबास में मंगलवार को निःशुल्क स्वेटर वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। संस्था के मंत्री हीरालाल शर्मा ने बताया कि भामाशाह महेंद्र कुमार गालव कृष्णा पब्लिक सिटी जयपुर श्याम तोतला कोहलपुर गणपत लाल वर्मा,ठाकुर उमेश सिंह ठिकाना करणसर, ठाकुर पुष्पेंद्र सिंह रघुनंदन सिंह ठिकाना करणसर, हेमंद शर्मा जयपुर,दुष्यंत भारद्वाज जयपुर,जतिन इंटरप्राइजेज जयपुर पराशमी सॉफ्टवेयर एवं टेक्नोलॉजी जयपुर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिन्होने समय-समय पर ऐसे सामाजिक पुण्य कार्यों के लिए सदैव योगदान दिया। इस अवसर पर निशुल्क स्वेटर वितरण किया गया जिससे सभी जरूरत मंदो को ठंड के मौसम में सुरक्षित रखा जा सके। ग्राम पंचायत बोबास

के सरपंच रुपनारायण रुंडला ने सभी आये हुए भामाशाहो का माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर स्वागत किया इसके पश्चात स्कूल के सभी जरूरतमंद बच्चो को स्वेटर वितरित किए गए और साथ ही बच्चो के सामाजिक ज्ञान कि बढ़ोतरी के लिए प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया और विजेता बच्चो को सरपंच रुपनारायण रुंडला के द्वारा नगद पाँच-पाँच सौ रूपये पुरस्कार स्वरूप दिये गए । तथा चार्टड अकाउंटेंट दुष्यंत भारद्वाज जयपुर के द्वारा स्कूल के बच्चो को लड्डू वितरण कर उनके उत्तल भविष्य कि कामना कि गई । अंत में पराशमी सॉफ्टवेयर एवं टेक्नोलॉजी जयपुर के संस्थापक आशीष शर्मा व जतिन इंटरप्राइजेज जयपुर के डायरेक्टर जतिन ने नव निर्माण एवं पर्यावरण केन्द्र केशा का बास आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनके यह प्रयास सराहनीय है और आशा करते हैं कि संस्था ऐसे हि सामाजिक उत्थान सराहनीय कार्य करती रहेगी ।

जाम की समस्या को लेकर डिप्टी ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा, दिए निर्देश



जयपुर टाइम्स

पावटा(निसं.)। कस्बे में मंगलवार को विराटनगर वृत्त अधिकारी व प्रागपुरा नवनीयुक्त धाना अधिकारी ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस कर्मी भी मौके पर मौजूद रहे।जहां वार्ता अधिकारी शिप्रा राजावत ने पावटा कस्बे के छोटी पुलिया,बड़ी पुलिया सहित सर्विस रोड के अनेकों स्थानों पर जायजा लिया है। वहीं संबन्धित ट्रैफिक कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मोडिडा कर्मों से वार्ता करते हुए वृत्तअधिकारी शिप्रा राजावत ने बताया कि भारी वाहनों के आने तथा सर्विस लाइन पर बेतरतीब वाहनों के खड़े होने पर जाम की समस्या बनती है।जिसको लेकर रूट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया है। इस विषय में अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीना से भी वार्ता हुई है। जल्द ही स्याई

समाधान निकाल लिया जाएगा। इस दौरान विराटनगर वृत्त अधिकारी शिप्रा राजावत,प्रागपुरा नवनीयुक्त धाना अधिकारी अंकित,राजवीर, कुलदीप,ट्रैफिक हेड कांस्टेबल सवाई सिंह, राम सिंह, मनोज सहित आनेको लोग मौके पर मौजूद रहे।

वहीं उच्च अधिकारियों के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने कांटे 35 वाहनों के चालान

ट्रैफिक हेड कांस्टेबल सवाई सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार मंगलवार को पावटा कस्बे में नो एंट्री में खड़े वाहनों के चालान कांटे गए हैं।इस दौरान सर्विस रोड सहित आनेको स्थानो पर बेतरतीब खड़े कुल 35 वाहनों के चालान कांटे गए।

थाना अधिकारी का स्थानांतरण पर विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन



जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निसं.)। कस्बा स्थित धाना परिसर में सोमवार की शाम को धानाधिकारी मनोहर लाल मीणा के स्थानांतरण हो जाने पर विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस दौरान नवनीयुक्त धाना अधिकारी सोहनलाल का भी माला व साफ़ा पहनकर स्वागत सम्मान किया। इस कार्यक्रम आयोजन के अंतर्गत आनेको स्थानीय जनप्रतिनिधि लोग सहित धाने का स्टाफ भी मौजूद रहा। जहां धानाधिकारी मनोहर लाल मीणा का शाहजहांपुर धाने में स्थानांतरण व धर्मवीर हेड कांस्टेबल, धर्मपाल हेड कांस्टेबल, देवी सिंह कांस्टेबल, अमित यादव कांस्टेबल, प्रदीप शर्मा कांस्टेबल,सुखराम कांस्टेबल, निनोद कांस्टेबल,रोहिताश कांस्टेबल का स्थानांतरण हुआ। इस कार्यक्रम आयोजन के अंतर्गत स्थानांतरण होने वाले पुलिस कर्मियों का वह धाने में नवनीयुक्त धाना अधिकारी का माला व साफ़ा पहनकर तथा मिठाई खिलाकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं विराटनगर में धाना अधिकारी सोहनलाल ने कार्यभार संभाला है। वहीं लुहकना सरपंच धर्मंद मीणा, रोहिताश सिंधु,बाबूलाल मीणा, एसआई कृष्ण, एस आई श्रवण ,हेड कांस्टेबल मुकेश मीणा सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

नेहा शर्मा एवं शशिकांत शर्मा होंगे जिले के नये खाद्य सुरक्षा अधिकारी



कोटपूतली(निसं.)। राज्य सरकार द्वारा नवगठित कोटपूतली-बहरोड़ जिले के खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पद पर नेहा शर्मा एवं शशिकांत शर्मा को नियुक्त किया गया है। आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त द्वारा आदेश जारी कर नेहा शर्मा एवं शशिकांत शर्मा को जिले का खाद्य सुरक्षा अधिकारी लगाया गया है। जिले में अभी तक पुराने जिले अलवर एवं जयपुर से ही कार्य हो रहा था।

RAJASTHAN RENEWABLE ENERGY CORPORATION LIMITED (A Government of Rajasthan Undertaking)	
Office: E-166, Yuhister Marg, C-Scheme,Jaipur 302001,Rajasthan Phone No. 0141-2225859, 2229341 E-mail:rec@recr@gmail.com website:https://www.energy.rajjasthan.gov.in/recr/	
NIB: REC2425A0033 (NIT No.TN-16/RREC/2024-25)	
Tender are invited for supply of Induction Cooktops with one year of comprehensive warrantee in Rajasthan. The complete bid document can be viewed and downloaded from e-procurement portal https://proc.rajjasthan.gov.in , SPPP Portal (https://sppp.rajjasthan.gov.in/sppp/) and RRECL website (https://energy.rajjasthan.gov.in/recr/).	
Bid submission End date: 05-02-2025, 05:00 PM. UBN: REC2425GLOB00032 Raj.Samwad/C/24/10615	
Director (Technical)	

नाम परिवर्तन
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र शिवकरण कक्षा 8वी में अध्ययन कर रहा है। मेरे पुत्र के विद्यालय में प्रवेश के समय भूलवश मेरा व मेरे पुत्र का नाम गलत अंकित करवा दिया था, जिसमें विद्यालय रिकॉर्ड में मेरा भी नाम त्रिलोक चंद स्वामी पुत्र का सही नाम शिवकरण दास स्वामी अंकित करवाना चाहता हूँ, जिसकी दोनों नाम के परिवर्तन की भविष्य में सम्पूर्ण जिम्मेदारी मेरी होगी।
त्रिलोक चंद स्वामी पुत्र गिरधारी दास स्वामी गाँव ढाणी स्वामियांन तहसील बीदासर, जिला चूरू, राज.

सार्वजनिक - आम सूचना			
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की क़स्बा चूरू में राज का बाड़ा में गढ़ के पीछे पुराना वाई नं.- 34 व वर्तमान वाई सं. 45 चूरू जिला चूरू (राजस्थान) में एक अवासीया भूखंड मय निर्माण के निचे लिखे आसे पासो का नावदी 943 वर्ग फीट माप का बर्दिदास, मोहन लाल पुत्रगण गणपत राय व झाबरमल और लादू राम पुर्तलगण भेरामौल व मुका राम पुत्र राम लाल एड राम नारायण पुत्र बर्दिदाश जाति- अग्रवाल निवासी चूरू के नाम से पट्टा दिनांक 25.08.1943 को रेवेन्यू कमिश्नर राजश्री बीकानेर महाराज के द्वारा पट्टा जारी किया हुवा है । तत परचायत दिनांक - 18.10.1977 को एक विक्रय - पत्र जो हनुमान प्रसाद पुत्र दुर्गावुत्त जाति अग्रवाल निवासी- चूरू ज़रिया मुक्तार आम निरंजन लाल पुत्र झाबरमल फतेचंद पुत्र लादू राम श्याम सुंदर पुत्र लादू राम, महादेव प्रसाद पुत्र लादू जाति अग्रवाल निवासी- चूरू हाल मुंबई महाराष्ट्र यह लोग विक्रेता हैं जो झाबरमल पुत्र माली राम जाति सुनार निवासी- चूरू को विक्रय कर दिया जो विक्रय पत्र दिनांक 18.10.1977 को उपर्णजीवन चूरू में पुस्तक सं- 1 सुमार नं- 460, पेज नं- 313 से 316पर चर्षया सुघा हैं । तत परचायत झाबरमल पुत्र माली राम जाति सुनार निवासी- चूरू ज़रिया उग्रहार - पत्र अपने पोते- करण सोनी व अजय सोनी पुत्रगण माणक चंद सोनी निवासी- राजका बाड़ा वाई नं. 45 गढ़ के पीछे चूरू तहसील व जिला चूरू को पूर्व दिशा की 943 वर्ग फीट जमीन उग्रहार में दे है जो दिनांक- 27.01.2022 को उपर्णजीवन चूरू में पुस्तक सं- 1 जिल्द नं. 544, पेज नं. 161 कम सं. 202203337100697, अतिरिक्त पुस्तक संख्या- 1 जिल्द नं. 1902, पेजेज- 63 से 71 पर निष्पदित सुघा हैं आसा पासा भूखंड निर्माण वाके राजका बाड़ा वाई नो. 45 गढ़ के पीछे चूरू तहसील व जिला चूरू			
उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम
प्रेमप्रकाश पुत्र झाबरमल के हिस्से की भूमि उसके पश्चायत सुरेश कुमार के माकन	पुरुषोत्तम लाल सोनी के मकान	रारता आम सड़क	प्रेमप्रकाश पुत्र झाबरमल के हिस्से की भूमि
41 फीट	41 फीट	23 फीट	23 Feet

कुल 943 वर्ग फीट	
उक्त भूखण्ड वर्तमान में करण सोनी व अजय सोनी पुत्रगण माणक चंद सोनी निवासी- राजका बाड़ा वाई नो. 45 गढ़ के पीछे चूरू तहसील व जिला चूरू के स्वामित्व का है जिसमें । कृण सुविधा प्राप्त करने हेतु उक्त सम्पत्ति को (AU SMALL FINANCE BANK LTD) के यहाँ रहिन रख करण सुविधा प्राप्त कर रहा है जिस बाबत उक्त भूखंड रसीन रखे जाने व बैंक द्वारा करण सुविधा प्राप्त किये जाने में कोई Objection या आपत्ति आमजन या किसी हितधारी को हो तो सार्वजनिक सुचना के तहत 07 दिवस के भीतर भीतर निचे हस्ताक्षरकर्ता के यहाँ लिखित पत्रराज पेश करें बाद भवि्याद करण स्वीकृत कर प्रस्त कर दिए जाने उपरांत किसी भी प्रकार का कोई पत्रराज Objection मान्य व स्वीकार्य नहीं होगा ।।	
अवदी	
AU SMALL FINANCE BANK LIMITED CHURU MO:- 8209090325. धिनोद कुमार सोनी एडवोकेट चैबरन न. 25 कोर्ट परिसर चूरू मो. 9414333756.	

8 शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार
22 जनवरी, 2025

अनुराग काछवाल बने हिन्दू महासभा के जिला मीडिया प्रभारी

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। शहर के सामाजिक कार्यकर्ता अनुराग काछवाल को अखिल भारतीय हिन्दू महासभा का सीकर जिला मीडिया प्रभारी बनाया गया है। जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय महासचिव देवेन्द्र पाण्डेय की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र सिंह सोलंकी ने अनुराग काछवाल को सीकर जिला मीडिया प्रभारी के पद पर नियुक्त किया है। काछवाल लगातार सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे हैं, उनकी समाज के प्रति की गई सेवाओं के लिए उक्त मनोनयन किया गया है। काछवाल की नियुक्ति से समाज की गतिविधियां व उत्थान में मदद मिलेगी, काछवाल के मनोनयन पर राजस्थान महासभा तहसील अध्यक्ष सुभाष जोशी, विप्र सेना राष्ट्रीय कार्यकारिणी सुरेश पारीक, शशिकांत पुजारी, प्रदीप शर्मा (गुवाल),सुभाष सुरगेलिया, राम शर्मा, व्यवसायी मनीष पोसाणी, राहुल पंडित, ओमप्रकाश जोशी, कमल चोटिया, संदीप नेता, अनिल जोशी सहित नगर के लोगों ने बधाई दी।

तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मनाया संस्थापक दिवस



जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। शहर के भगवानदास तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को संस्थापक दिवस मनाया गया। समारोह के अंतर्गत पुष्पांजलि व भजनांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के सचिव आशकरण शर्मा, प्राचार्य डॉ एन एस नाथवात, कथमल तोदी वी एड महाविद्यालय प्राचार्या डॉ वीनू शेखावत, प्रबन्ध समिति सदस्य श्रीराम शर्मा, गोपाल त्रिवेदी ने संस्थापक भगवानदास तोदी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके संस्मरण को याद किया। इस मौके पर सचिव सुनीता शर्मा प्रबंध समिति सदस्य संजना शर्मा, प्राचार्य ममता तंवर, संजय त्रिवेदी, ऋषिकुल बीएड महाविद्यालय प्राचार्या डॉ रेखा शर्मा, ममता तंवर, संजय त्रिवेदी सहित महाविद्यालय का स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। इस मौके पर पुरातन छात्र पुणेन्द्र शर्मा व विकास सैनी के साथ महाविद्यालय के विद्यार्थियों दिव्या व्यास, भूमिका चोटियां, खुशी शर्मा, सिम्रन दैया, रवीना योगी, अंजु, निंकिता, नितिन, गौरव ने भी भजनों के माध्यम से भजनांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में समस्त स्टाफ सदस्य, एनसीसी केडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवक, रेंजर -रोवर्स और अन्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंद शर्मा ने किया।

राम मंदिर में कलश यात्रा व मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा आज



जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। खालसाी रोड़ वार्ड एक में स्थित हेरिटेज सिटी में सर्व समाज की ओर से नवनिर्मित श्री राम मंदिर में मंगलवार को पूजा व हवन के साथ धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। आचार्य प्रमोद शर्मा पुजारी, शुभम शर्मा पुजारी, नवीन सुरगेलिया, विशाल शर्मा, भारत शर्मा पुजारी मुकुंदगढ़ निवासी ने गणेश पूजन, मांत्रिका पूजन, नवग्रह पूजन, वास्तु पूजन, कलश पूजन व शिखरबंध पूजन एवं मूर्ति स्नान पूजन यज्ञ भी वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ किया गया। इस दौरान गणेश सैनी, मनोज भागव, संजीव कुमार, चार्णद संदीप परिहार, आनंद सोलंकी, नरोत्तम चेजारा, सचिन तूनवान, विशाल सैनी सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। समिति अध्यक्ष गणेश सैनी ने बताया कि श्री राम मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बुधवार को सुबह मूर्ति का नगर भ्रमण कराया जाएगा और इसके बाद सुबह 10.15 बजे श्री स्मार्ट सिटिड विनायक मंदिर से कलश यात्रा रवाना होकर श्री राम मंदिर परिसर में पहुंचेगी। दोपहर 12.15 बजे मूर्ति श्रृंगार के बाद मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा होगी और सांय 4 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

टाई सोसायटी के बंद ताले खुलवाने के लिए कलेक्टर को लिखा पत्र

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। बहु,उद्देश्य सहकारी समिति लिमिटेड टाई के अध्यक्ष सहदेव सिंह धायल ने 10 जनवरी से बंद पड़ी टाई सोसायटी व मिनी बैंक के लगे ताले खुलवाने व कार्यवाहक व्यवस्थापक सूर्यप्रकाश के खिलाफ नियमित रूप से मिनी बैंक व सोसायटी नहीं खोलने पर विभागीय कार्रवाई करने के लिए जिला कलेक्टर झुंझुनू व प्रबंधक निदेशक झुंझुनू केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड झुंझुनू को लिखा है। गौरतलब है कि टाई सोसायटी के व्यवस्थापक दलीप कुमार को जींच में दोषी पाए जाने के बाद निलंबित कर दिया गया था। जिसके बाद सूर्य प्रकाश को अस्थाई व्यवस्थापक लगाया गया है। लेकिन 10 जनवरी से लेकर अभी तक टाई सोसायटी के किसानों के फसली ऋण का नवीनकरण नहीं हो रहा है और न ही नए किसानों को फसली ऋण वितरण किया जा रहा है। कार्यवाहक व्यवस्थापक सूर्यप्रकाश का कहना है कि मैंने टाई सोसायटी के व्यवस्थापक के पद से हटाए जाने के लिए उच्च अधिकारियों को लिखकर दे दिया है। एक दो दिन में दूसरा व्यवस्थापक लगा दिया जाएगा।

छापोली ग्राम पंचायत को नगरपालिका बनाने की मांग, ज़ापन सौंपा

जयपुर टाइम्स

उदयपुरवाटी(निस)। विधानसभा क्षेत्र के छापोली ग्राम पंचायत को लेकर नगरपालिका बनाने की मांग को ग्रामवासियों जोर शोर से उठा रखी है जिसको लेकर मंगलवार को ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज़ापन सौंपा। जिसमें ग्रामवासियों ने बताया कि छापोली ग्राम पंचायत हर मापदंड को पूरा करती है। जिसमे 52 हजार बीघा का क्षेत्रफल और 1000 वर्ष पुराना कस्बा, तीन राजस्व भी शामिल और छापोली की जनसंख्या 25000 के लगभग है और मतदाता की संख्या 11500 है, साथ ही 11 बड़ी क़ेशर संचालित है और 100 हैक्टेयर में खान आवंटित है और छापोली गांव में विद्यार्थियों के लिए सीनियर स्कूल अलग अलग विभाजित है अस्पताल व उप स्वास्थ्य केन्द्र, पशु चिकित्सालय भी मौजूद है और 21 वार्ड है जिसमें हर वार्ड की मतदाता संख्या 600 के लगभग है इसलिए जिला कलेक्टर व मुख्यमंत्री से ग्रामवासियों ने अनुरोध किया है कि सही मापदंड को देखते हुए छापोली ग्राम पंचायत



को जल्द ही नगरपालिका में क़मोनन्त करके छापोली की जनता को खुशी प्रदान करें। इस मौके पर एडवोकेट हंसराज कबीर, प्रवीण मिश्रा, रोहिताश गुर्जर छापोली, किशनलाल सैनी, सुनील कुमावत, शिवनाथ सैनी,पवन टेलर, रामेश्वरलाल सैनी, मुनाराम सैनी, सुल्तान सैनी, सुरेश सैनी,

बनवारी लाल सैनी, मकबूल चौपदार, अमीन अली चौपदार, सुभाष भाकर, शाहरुख कलाल, कमलेश सैनी, बाबुलाल सैनी, प्रकाश सैनी,सुगन चौपदार, फ़िरदोश अली, महावीर गुर्जर, द्वारका प्रसाद गुर्जर, रमेश सैनी, गीगाराम सैनी आदि लोग मौजूद रहे।

पूर्व विधायक ने किया भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन मोदी का स्वागत



जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निस)। नव नियुक्त नगर भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन मोदी का मंगलवार को पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने स्वागत किया। इस दौरान पूर्व विधायक ने नवनियुक्त अध्यक्ष को सभी पार्टीजनों को साथ लेकर सामंजस्य स्थापित कर चलने के लिए कहा। इस दौरान नगर पालिका सांभरलेक के चेयरमैन बालकिशन जांगिड़, निवर्तमान अध्यक्ष जितेंद्र डांगरा, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र जोषट, अधिवक्ता विजय प्रजापत, किरण बंजारा, सांभर पालिका के पूर्व अध्यक्ष विनोद चेयरमैन विनोद कुमार सांभरिया, अधिवक्ता उमाशंकर व्यास, प्रेम कुमार शर्मा सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जन्म -मृत्यु व विवाह पंजीकरण को लेकर कार्यशाला का आयोजन

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। झुंझुनू पंचायत समिति में जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें नए संशोधन व उनको लेकर आ रही समस्याओं के समाधान की जानकारी दी गई। पंचायत समिति सभागार में मंगलवार को सिविल रजिस्ट्रेशन प्रणाली के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला हुई। उपनिदेशक आर्थिक व सांख्यिकीय पूनम कटेवा की अध्यक्षता में हुई। कार्यशाला में जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन को लेकर जानकारी दी गई। जिसमें पंचायत समिति क्षेत्र के समस्त सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारी चिकित्साधिकारी, नगरपालिका व ग्राम पंचायतों के रजिस्ट्रार जन्म-मृत्यु, निजी अस्पताल संचालक व पहचान पोर्टल पर पंजीयन करने वाले डाटा एंट्री

ऑफ़रेटर्ों ने भाग लिया। जिनको जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन की आवश्यकता, प्रक्रिया एवं इससे संबंधित नियम अधिनियम, नए संशोधन व उसको लेकर हो रही समस्याओं के समाधान की जानकारी दी गई। कार्यशाला का संचालन ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी सुरेश कुमार शर्मा व नायब तहसीलदार अभिषेक मीणा ने किया। जिसमें बीसीएमओ का प्रतिनिधि तत्सली आरीफ, डॉ. पंकज अजाड़ी कला, डॉ. कुलदीप इस्लामपुर, डॉ. दीक्षा इण्डाली, डॉ राहुल सिंह कालीपहाड़ी, डॉ. अभिषेक लाम्बा पातुसरी व ग्राम विकास अधिकारी सहित अन्य कार्मिक शामिल हुए। कार्यशाला आयोजन में सांख्यिकी निरीक्षक शीला कुमारी, रेणु सैनी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी पूनम डेला, संगणक नम्रता कानोडिया, राकेश कुमार मुण्डोतिया ने व्यवस्था संबंधी सहयोग किया।

स्मार्ट निवेश व वित्तीय प्रबंधन जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(नि.सं)। कस्बे के डाबला रोड़ स्थित पाना देवी राजकीय कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों ईकाईयों के तत्वाधान में भारत सरकार की सेबी संस्था के सौजन्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य प्रो. आर. पी. गुर्जर के निर्देशानुसार डॉ. जे आर गुर्जर के संयोजन में हुआ। जिसमें पीपीटी के माध्यम से सेबी प्रतिनिधि अरुण कुमार पुनिया ने छात्राओं को बचत के प्रति आदत विकसित करने, निवेश करने व विभिन्न प्रकार के फ्रॉड से बचने के प्रति जागरूक किया। पुनिया ने बताया कि विना वेरीफ़ाई ऐप डाउनलोड नहीं करें और ना ही किसी को अपना आधार व ओटीपी दें। निवेश के लिये उचित व सही मार्गदर्शन के लिये व्हाट्सएप या सोशल मीडिया पर निर्भर ना रहें। सेबी की वेबसाईट से विश्वसनीय जानकारी ली जा सकती है।

कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. भावना चौधरी व कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रतिभा पोसवाल, प्रो. प्रिया खंगरावत ने भी छात्राओं को संबोधित किया। इसमें 100 छात्राओं को दो सत्रों में प्रशिक्षित किया गया। साथ ही नई किरण नई आशा नशा मुक्ति कार्यशाला भी आयोजित हुई। जिसमें प्रो. विमल कुमार यादव ने छात्राओं को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत करवाया। कार्यशाला में राष्ट्रीय सेवा योजना की 30 स्वयंसेविकाओं को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम संयोजक व राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. जे आर गुर्जर ने छात्राओं को वित्तीय प्रबंधन में आदतों और मस्तिष्क के प्रशिक्षण की भूमिका पर व्याख्यान दिया। प्रो. गुर्जर ने छात्राओं को भविष्य की चुनौतियों से अवगत करवाते हुये अपने अनुभव साझा किये। संचालन प्रो. विमल कुमार यादव ने किया। इससे पूर्व प्रो. विशंभर दयाल, कमलेश यादव व प्रो. मनोज कुमार ने सेबी प्रतिनिधि का स्वागत किया तथा उदयवीर तोषाकर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का द्वितीय एकदिवसीय शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस.)। यहाँ के राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में चारों ईकाईयों का द्वितीय एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर की मुख्य थीम 33 वॉ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह जनवरी 2025 के अनुसार 'सड़क सुरक्षा' रखी गई। शिविर का शुभारम्भ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना गीत का गायन किया गया। प्राचार्य प्रो. आर.के. सिंह ने सर्वप्रथम राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से स्वयंसेवकों द्वारा अब तक किये कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने स्वयंसेवकों को सड़क सुरक्षा के नियमों का स्वयं पालने करने एवं अपने आसपास के लोगों को उनकी जानकारी देने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमें एक्सीडेंट के समय मानवता का परिचय देते हुये मदद के लिये आगे आना चाहिये ना कि वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करना चाहिये। मुख्य अतिथि यातायात निरीक्षक महेंद्र कुमार ने स्वयंसेवकों को ट्रिपल ए-ऑलवेज अवंड्ड एक्सीडेंट से परीश्रित कराया। उन्होंने वेबसाईट के माध्यम से अपने लाईसेंस



के लिये एप्लॉई करने की प्रक्रिया बताई और लाईसेंस की अनिवार्यता, महत्व एवं उल्लंघन पर होने वाले नुकसानों व सजा के प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। साथ ही सड़क सुरक्षा से सम्बंधित सामान्य नियमों व सावधानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सभी को यातायात सुरक्षा की शपथ दिलवाई। कम्प्युनिटी फॉर सेफ़र रोड्स एनजीओ की यातायात सुरक्षा एक्सपर्ट निशा बग्गा ने स्वयंसेवकों के समक्ष विभिन्न कंडीशन प्रस्तुत की और उनसे वार्तालाप किया। उन्होंने एक्सीडेंट के दौरान सीन सेप्टी एवं गोल्डन ऑवर में की जाने वाली मदद में रखी जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। उन्होंने गुड सेमेरिटन लॉ के प्रावधानों से

सम्बंधित जानकारी दी। उन्होंने स्वयंसेवकों को सीपीआर देने की ट्रेनिंग दी। संचालन कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संदीप कुमार आर्य ने किया। प्रो. जितेंद्र कुमार यादव ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रो. सज्जन सिंह यादव, प्रो. शुभलता यादव एवं प्रो. अशोक सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय के चरक उद्यान, विज्ञान कला भवन के मध्य स्थित भूखंड एवं खेल के मैदान की साफ-सफाई की। खेल के मैदान से खरपतवार उखाड़ने एवं प्लास्टिक कचरा उठाकर यथास्थान निस्तारण किया। सभी स्वयंसेवकों ने शिविर की गतिविधियों एवं कार्यों में बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जीप ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

सवाई माधोपुर(निस.) सवाई माधोपुर में मलारना डूंगर क्षेत्र में खिरनी-बौली रोड पर मंगलवार दोपहर सड़क हादसे में 1 युवक की मौत हो गई। यहां एक धार जीप ने सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में मौत हो गई। वहीं दूसरे गंभीर घायल युवक को सवाई माधोपुर

जिला अस्पताल से जयपुर रेफर किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बाइक सवार खिरनी निवासी आहद अली (19) पुत्र अहमद अली व कैफ अली (18) पुत्र रऊफ अली बाइक पर सवार होकर भांडौती से अपने गांव खिरनी जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही धार जीप ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भीषण थी की

बाइक सवार दोनों युवक बाइक सहित खेतों में जाकर गिरे। वहीं धार जीप भी बेकाबू होकर खेतों में कूद गई। दुर्घटना की सूचना के बाद खिरनी पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से दोनों घायल युवकों को सवाई माधोपुर जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां अस्पताल पहुंचने से पहले आहद अली की मौत हो गई।

बगड़िया एफपीओ बन रहा किसानों के लिए मददगार



जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। उपखंड के किसान इन दिनों बगड़िया हाई-टेक एफपीओ के माध्यम से किसान लाभान्वित हो रहे हैं। लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक में ग्राम पंचायत नरोदडा के ढोलास गांव में एक किसान उत्पादक संगठन बगड़िया हाईटेक एफ पी ओ चल रहा है। यहां पर प्रमाणित एवं उच्च गुणवत्ता युक्त सभी फसलों के बीज कीटनाशक खरपतवार नाशक उर्वरक एवं हाई-टेक एषु आहार बाजार से काफी सस्ती रेट में व विशेष अनुदान के साथ कृषक भाइयों को उपलब्ध करवाया जा रहा है। यह एफपीओ केंद्रीय क्षेत्रीय योजनाओं के अंतर्गत बना है जिसका संचालन नाबाई की ओर से पाँपी कमल निष्ठा संस्थान के माध्यम से किया जा रहा है, सीकर नाबाई के डीडीएम एम एल मीणा, सीकर पीएनबी के एलडीएम डॉक्टर सुभाष कटियार, एग्रीकल्चर मैनेजर पीएनबी के सुधेश पुनिया, बजाज फाउंडेशन सीकर, अर्पण सेवा के संस्थान जयपुर, जीएसवीएस अजमेर, युवा जागृति संस्थान अलवर, ग्रीन वर्ल्ड फाउंडेशन जयपुर, कमल निष्ठा संस्थान के विभिन्न पदाधिकारियों व नो श्याम कृषक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से भजनलाल देवव्रत, महावीर हैप्पी मिल्लक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से कुमारी मीनिका यादव, सुमन, मुन्नी देवी, रिकू देवी, मंजू , निशा, बबीता, मीरा, चंचल, प्रवीण यादव, भागीरथ सिंह,महावीर सहित बड़ी संख्या में किसानों ने बगड़िया हाईटेक एफपीओ का भ्रमण किया।

राजस्थान मरू उड़ान: स्तन और सर्वाइकल कैंसर पर कार्यशाला



जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। राजस्थान मरू उड़ान कार्यक्रम के अंतर्गत महिला अधिकारिता विभाग की ओर से मंगलवार को न्यू राजस्थान बालिका पी.जी. महाविद्यालय में स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्शा चौधरी ने स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम, पहचान और समय पर उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों और उसके निदान के लिए नियमित जांच के महत्व को समझाया। इसके साथ ही, उन्होंने छात्राओं को इन बीमारियों के प्रति जागरूक रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। कार्यशाला में महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विल्व न्योला ने छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को कैंसर जैसे गंभीर रोगों के प्रति जागरूक करना और उन्हें समय पर उपचार के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्राओं और स्त्री रोग विशेषज्ञ से अपने सवाल पूछे और कैंसर से जुड़ी भ्रांतियों को दूर किया। कार्यशाला में प्यारेलाल दूढ़िया, संस्थान के निदेशक पीपूष दूढ़िया, एडीओ प्रमोद आबूसरिया, एपीआरओ विकास चाहर सहित सैकड़ों की संख्या में छात्राएं मौजूद रहे।

गोचर भूमि का सीमांकन करवाने की मांग



जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती गांव लोदसर में स्थित गौशाला के अध्यक्ष भगवानाराम जांगिड़ के नेतृत्व में गांव के कुछ ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा को ज़ापन सौंपकर गांव में भिन्न-भिन्न स्थानों पर स्थित गोचर भूमि का सीमांकन करवाने की मांग की है। जिला परिषद सदस्य नौरंगलाल सिलू ने उपखंड अधिकारी को बताया कि गौशाला की चारदीवारी ग्रामीण बनाना चाहते हैं, इसलिए सीमांकन आवश्यक है। उपखंड अधिकारी ने जल्द समुचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस दौरान महेंद्रसिंह, रतनलाल, शंकरलाल, जगदीश सिलू, चेतनसिंह, भंवरलाल आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

चोरी का आरोपी पुलिस रिमांड पर

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सदर थाना पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। एएसआई तनसुख नेग ने बताया कि 14 जनवरी को मोहनराम जाट निवासी गेझप ने रिपोर्ट दी कि मेरे खेत में केवल व पंप कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी करके ले गया। इसी प्रकार अन्य किसानों का भी खेती किसानी का सामान गायब था। जिस पर जांच की गई। जिसके बाद एसीजेएम न्यायालय से वारंट प्राप्त कर डीडवाना की जेल से प्रोडक्शन वारंट पर आरोपी बाबूलाल पुत्र प्रभुराम नायक निवासी मूँवड़ा को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर 23 जनवरी तक का पुलिस रिमांड हासिल किया गया है। आरोपी से पुलिस बरामदगी के प्रयास कर रही है।



सुजानगढ़(नि.सं.) स्थानीय श्री परमाश्रं सेवा संस्थान के तत्वाधान में तौलाराम माटोलिया की 15 वीं पुण्य तिथि के अस्सर पर संस्थान मंत्री जय प्रकाश शर्मा की ओर से स्थानीय ठरडा पर रहने वाले भोपा समाज की कच्ची बस्ती में कमफल व फल वितरण का किया गया। समाज सेवी यशोदा माटोलिया की ओर से भोपा समाज के बुजुर्गों का शॉल व श्रीफल देकर सम्मान किया गया व समाज की सभी महिला व बच्चों को सम्बोधित करते हुए अपने परम्परागत कार्यों को छोड़ कर शिक्षा की तरफ ध्यान देने की बात कही। येथे भंवरलाल काछवाल ने राज्य व केंद्र की अनेक योजनाओं की जानकारी देते हुए इनसे लाभ उठा कर अपना जीवन स्तर सुधारने की अपील की। कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री सुमन सामरिया, सुषमा राकावत, सिमरन माटोलिया, मनसुख रंथला सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। मंत्री जय प्रकाश शर्मा की ओर से कार्यक्रम में सभी शामिल लोगों का अभिवादन किया गया।

115 सरकारी स्कूलों में 37248 कॉपियां वितरित



जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सुप्रीम फाउण्डेशन जसवंतगढ़ की ओर से सुजानगढ़ तहसील के 115 सरकारी स्कूलों में 37248 कॉपियां वितरित की गई। क्षेत्र के गांव बाघसरा आधूणा के राजाविक के प्राथमिक कक्षाओं के 122 विद्यार्थियों को 488 कॉपियां का वितरण किया गया। संस्था प्रधान हंसा रुपडला ने इस अनुकरणीय पहल की फाउंडेशन के मुख्य ट्रस्टी बजरंगलाल तापडिया, महावीर प्रसाद, मुख्य समन्वयक श्याम बाबू, कॉर्डिनेटर जयसिंह व मनोज सोलंकी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य व समस्त सरकारी अध्यापक और फाउंडेशन स्वयंसेवक अर्जुनराम, समेराराम, रामचन्द्र, हुकमाराम व मुकेश मीणा उपस्थित रहे।

लक्ष्मीपत सिंघानिया एकेडमी में होगा बाल मेले का आयोजन

जयपुर टाइम्स

बिसाऊ(निस)। लक्ष्मीपत सिंघानिया एकेडमी बिसाऊ में शीतकालीन बाल मेले का आयोजन किया जाएगा। प्राचार्य दीपक पुरोहित ने बताया कि सोमवार 27 जनवरी 2025 को विद्यालय में शीतकालीन बाल मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में विभिन्न प्रकार के फूड स्टॉल के साथ- साथ संगीत, नृत्य, ऊंट की सवारी, घुड़सवारी, झूले और विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया जाएगा। मेले का मुख्य आकर्षण लक्की ड्रा रहेगा जिसमें ड्रा से विभिन्न आकर्षक उपहार निकाले जाएंगे। इस तरह का शेखावाटी क्षेत्र का यह पहला आयोजन है जिसके कारण बच्चों और अभिभावकों में उत्साह है। इससे विद्यार्थी व्यापार प्रबंधन का कौशल प्राप्त करेंगे। बाल मेले का समय दोपहर 12.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक का रहेगा। जिसमें बिसाऊ, चूरू व आसपास के क्षेत्रों के लोग शामिल होंगे।

राष्ट्रीय सुरक्षा माह में छह हजार विद्यार्थियों को दी यातायात नियमों की जानकारी

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान 6 हजार से अधिक विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। बेसहारा गौवंश व कुतों के गले में बांधें गए और नेक रेडियम बेल्ट राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत जिला झुंझुनू में स्कूल कॉलेज के 6 हजार से अधिक छात्र छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी गई और स्कूल, कॉलेज के बस चालको व स्थानीय चालकों को ऑवर स्पीड मे वाहन नहीं चलाने, सीट बेल्ट व हेलमेट लगाने, वाहन के कागजात पूर्ण रखने, यातायात नियमों की पालना करने के लिए समझाईसी की गई और जिला झुंझुनू व आसपास की मुख्य सड़कों पर घूमने वाले बेसहारा जानवरों के कारण हादसों की संभावना बनी रहती है। इन संभावनाओं को दूर करने के लिए और रात के समय जानवर यदि सड़क पर आए तो वाहन चालकों को आसानी से पता चल सके इसलिए जिला यातायात पुलिस की ओर से बेसहारा गौवंश और कुत्ते के अलावा अन्य जानवरों के गले में नेक रेडियम बेल्ट बांधे गए साथ ही मौजूदा ग्रामीणो शहर वासियो, वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों की पालना करने व करवाने की शपथ दिलाई गई।

साईबर सुरक्षा व यातायात नियमों की जानकारी दी

जयपुर टाइम्स

बिसाऊ(निस)। साईबर शिल्ड अभियान व राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, साईबर सुरक्षा व यातायात नियमों की जानकारी दी गई। रामपाल मीणा उप निरीक्षक पुलिस थाना बिसाऊ व स्टाफ की ओर से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह एवं साईबर शील्ड अभियान के तहत राजस्थान पब्लिक स्कूल, बिसाऊ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत उपस्थित विद्यार्थियों व अध्यापक को यातायात नियमों की जानकारी व साईबर अपराधियों की ओर से साईबर अपराध की घटना कारित करने के बारे में बचाव के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई, साथ ही छात्र छात्राओं की शंकाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

पूनम महविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। पूनम महाविद्यालय, मण्डावा में सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान यातायात नियमों व साईबर अपराध के बारे विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। थानाधिकारी रामनिवास उ.नि. पुलिस थाना मण्डावा व स्टाफ की ओर से कस्बा मण्डावा में स्थित पूनम महाविद्यालय, मण्डावा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाकर महाविद्यालय स्टाफ व बालिकाओं को सड़क सुरक्षा व साईबर अपराध के संबंध में जागरूक गया। कार्यक्रम में उपस्थित बालिकाओं व स्टाफ को यातायात नियमों की जानकारी दी गई और वर्तमान में साईबर अपराधियों की ओर से साईबर अपराध की घटना कारित करने के तरीकों के बारे में जागरूक कर उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

दो दिवसीय टेस्ट क्रिकेट मैच का समापन



जयपुर टाइम्स

रतनशहर(निस)। माखर पंचायत मुख्यालय स्थित रतनशहर के गोदाम स्टेडियम में कैलाश केसरी अस्पताल के सौजन्य से रतनशहर यूथ क्लब के अध्यक्ष विक्रम सैनी के नेतृत्व में ग्राम विकास अधिकारी और बगड़ क्रिकेट क्लब के बीच दो दिवसीय मैत्री मैच का आयोजन हुआ। इस मैच में ग्राम विकास अधिकारियों ने बगड़ क्रिकेट क्लब को 27 रन से हराया। मैच की शुरुआत में ग्राम विकास अधिकारी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। उन्होंने अपनी पहली पारी में 136 रन बनाए। इसके जवाब में बगड़ क्रिकेट क्लब

सिर्फ 128 रन ही बना सका। इसके बाद ग्राम विकास अधिकारी ने अपनी दूसरी पारी में 162 रन बनाए, जबकि बगड़ क्रिकेट क्लब अपनी दूसरी पारी में 146 रन ही बना सका और यह मैच ग्राम विकास अधिकारियों ने 28 रन से जीत लिया। इस मैच में डॉ. उमेश शर्मा, डॉ. बलविंदर सिंह, डॉ. राजेश शर्मा, वीरेंद्र लामोरिया एक्स आर्मी, दीपेश कुमार अध्यापक, कपिल डांगी प्रिंसिपल, नरेश शर्मा, अरुण निर्मल जोएसटी डिपार्टमेंट सुमित नगर पालिका बगड़ एडवोकेट कृष्ण कुमार, ग्राम विकास अधिकारी जिला अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह,अनिल कुमार, संदीप भाम्बू अलीपुर, संदीप ऐचरा, नवीन, संदीप ख्यालिया, अनिल भाम्बू मुकेश कुमार, कुलदीप कुमार,

संजय अनिल बराला आदि ने मैच में भाग लिया। मैच के आयोजक विक्रम सैनी ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया के इस युग में मैदान पर शारीरिक रूप से परीना बहाना भी बेहद जरूरी है जिससे मानसिक रूप से शरीर मजबूत बन सके। इस अवसर पर यह संदेश दिया कि खेल हमारे जीवन में कितने महत्वपूर्ण हैं और लोगों को खेलों के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ानी चाहिए। मैच में अंपायर की भूमिका में प्रवीण सैनी, पंकज शर्मा, अंकित धीमा तथा स्कोर की भूमिका में नितिन सैनी, शेर सिंह सैनी और मोहित शर्मा ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जर्जर बिजली लाइन की चपेट में आने से भैंस की मौत

33 साल पुरानी विद्युत लाइन बन रही निवाला, 2 साल में 10 पशुओं की मौत



जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के राजासर पंवारान गांव में मंगलवार को एक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई। गांव की मुख्य चौपाल में 11 केवी की बिजली लाइन की चपेट में आने से हरचंदनाथ सिद्ध की भैंस की मौत हो गई। इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और पशुपालक को उचित मुआवजे की मांग की। गांव के श्रीचंद्र नाथ सिद्ध ने बताया कि यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले दो वर्षों में इसी तरह की घटनाओं में 10 से अधिक पशुओं की जान जा चुकी है। समस्या की जड़ 33 वर्ष पुरानी जर्जर बिजली लाइन है। जिसकी मरम्मत के लिए ग्रामीण कई बार भानीपुरा स्थित सहायक अभियंता कार्यालय में जापन दे चुके हैं लेकिन कोई

कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर 10 दिनों के भीतर जर्जर बिजली लाइनों को नहीं हटाया गया तो सरदारशहर महाजन मुख्य सड़क पर जाम लगाकर बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे। गांव की सरपंच सतोष पांडर ने बताया कि उन्होंने कई बार साधारण सभा में इस मुद्दे को उठाया है लेकिन अधिकारियों की उदासीनता के कारण ऐसी दुर्घटनाएं लगातार हो रही हैं। घटना की सूचना मिलने के बावजूद बिजली विभाग के अधिकारियों के मोके पर नहीं पहुंचने से नाराज ग्रामीणों ने भानीपुरा सहायक अभियंता कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। इस विरोध में भंवरलाल पांडर, सुखराम राईका, पदमाराम राईका, मोटूराम राईका, देवकरण सहू, रामकुमारनाथ, दुर्गादत्त पारीक समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

बच्चों को बचपन की उड़ान दे दो, उनके चेहरे पर मुस्कान दे दो बाल संरक्षण व बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजस्थान महिला कल्याण मंडल चूरू की ओर से सेठ श्रीराम वल्लभ गोरीसरिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सोमासि चूरू में संस्था की ओर से संचालित परियोजना एक्ससे टु जस्टिस फॉर चिल्ड्रन फेस-3 की टीम की ओर से बाल संरक्षण व बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम किया टीम के कार्डसरनर ज्योति बागड़ी की ओर से बच्चों को सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श के बारे में जानकारी देते हुए उनको बाल अधिकारों से अवगत करवाया और बाल संरक्षण कानून

की जानकारी दी। फील्ड कोऑर्डिनेटर नवरत्न प्रजापत की ओर से बच्चों को बाल विवाह की रोकथाम के लिए शपथ दिलाई गई। विद्यालय के उप -प्रधानाचार्य ने संस्था के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ उनके अधिकारों उनके संरक्षण के लिए बनाए गए कानून की जानकारी समय-समय पर देना अति आवश्यक है। इससे बच्चों का सर्वांगीण विकास होगा। कार्यक्रम में विद्यालय के व्याख्याता महावीर, सरिता, रविकांत, वरिष्ठ अध्यापक कौशल्या शर्मा, सुशील तंवर, कृष्ण कुमार, अध्यापक व अध्यापिका यशोदा, पुष्पा, अली शेर खान आदि उपस्थित रहे।

मुकेश कुमार मीणा को पीएचडी की उपाधि

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजकीय लोंहिया महाविद्यालय, के वनस्पति विज्ञान विभाग के सह आचार्य मुकेश कुमार मीणा को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर ने चूरू जिले में परंपरागत ज्ञान से पादप संरक्षण व जैव विविधता का अध्ययन विषय पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की।मीणा ने यह शोध कार्य प्रो.(डॉ.) जे. बी. खान, प्राचार्य सेठ आन एन

रूईया राजकीय महाविद्यालय, रामगढ़ शेखावाटी के निर्देशन में पूर्ण किया। उन्होंने अपना शोध कार्य रतननगर व डाबला ग्राम के वन क्षेत्र की वनस्पतियों पर पूर्ण किया व संरक्षण विधियों के साथ साथ यहां पाई जाने वाली औषधीय पादपों का अध्ययन किया। इस अवसर पर डॉ प्रशांत शर्मा, डॉ आशीष शर्मा, डॉ सुनील मील, मो. जावेद खान, सुमित डावी, चंद्रप्रकाश बारूपाल, डॉ. नवीन कुमार सहित वनस्पति विज्ञान विभाग के सभी सदस्यों व विद्यार्थियों ने बधाई दी।

अरविंद भांभू बने विधानसभा प्रभारी

जयपुर टाइम्स



चूरू(निस)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया एंड डिजिटल प्लेटफॉर्म डिपार्टमेंट ने अरविंद भाम्भू को दिल्ली प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों में बादली विधानसभा का प्रभारी बनाया है। डिपार्टमेंट के चेयरमैन सुमित भगसरा ने अपने आदेश में लिखा है कि विधानसभा चुनावों तक भाम्भू दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा निर्देशन में कार्य करेंगे।

इस नियुक्ति पर अरविंद भाम्भू ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी का आभार जताते हुए इस जिम्मेदारी को पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा के साथ निभाने का वादा किया। नियुक्ति के बाद स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है।

पटवारियों का धरना नौ दिनों से जारी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। विभिन्न मांगों को लेकर पटवारी तहसील मुख्यालय पर नौ दिनों से धरना दे रहे हैं। पटवारियों के काम पर नहीं होने के कारण आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भू अभिलेख निरीक्षक विनोद कुमार सैन ने बताया कि डीपीसी करवाने, भत्ते में बढ़ोतरी, कार्यालय संसाधन बढ़ाने, नायब तहसीलदार पदोन्नति में कोटा बढ़ाए जाने सहित अनेक मांगों को लेकर लगातार 13 जनवरी से धरना जारी है। वहीं धरने को भू अभिलेख निरीक्षकों ने भी समर्थन दिया है और पेन ड्राउन हड़ताल कर दी है। इस दौरान पटवार संघ उपाध्यक्ष शर्मिला, सरोज, शिव सिंह, मुकेश, गोपाल, अशोक, मदनलाल, विकास, मालसिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।



सातड़ा में महिलाओं ने सामुहिक रूप से घुंघट प्रथा बंद करने का लिया संकल्प



जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। अखिल राजस्थान किसान-मजदूर-कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष व कॉंग्रेस जिला उपाध्यक्ष किसान नेता आदूराम न्यौल ने कहा कि महिलाएं सामुहिक रूप से घुंघट प्रथा को बंद करने व समाज में व्याप्त विभिन्न कुुरीतियों को बंद करें। किसान कार्यालय न्यौल भवन सातड़ा के प्रांगण में महिला संघोष्ठी का आयोजन किया गया। किसान नेता आदूराम न्यौल ने संघोष्ठी की अध्यक्षता की। न्यौल की अध्यक्षता में महिलाओं ने चूरू लोकसभा सांसद राहुल कर्वा, पीसीसी उपाध्यक्ष भामाशाह रफीक मंडेलिया और आदूराम न्यौल के ज्येष्ठ पुत्र हरिराम न्यौल का सामुहिक जन्मदिन मनाया गया। सभी महिलाओं, युवतियों ने

उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की, इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने घुंघट प्रथा त्यागने का संकल्प लिया। महिलाओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां मनाईं। महिला प्रवक्ता निशा न्यौल ने बताया कि सात दिन तक समूचे गाँव में घर-घर जाकर घुंघट व अन्य कुुरीतियों को दूर करने की दिशा में संकल्प कराया जाएगा। इस मौके पर मणि जागिड़, निधी मेघवाल, मोहन, शारदा, गीता, पोपी, सुमन, माया, मंजु, विद्या, भगवती, लिलम, सोनू, पूजा, पुनम, मनिषा, आयना, सहित सभी युवतियों ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने का निर्णय किया उपस्थित सभी महिलाओं को च्यवनप्रास, जरूरतमंद गरीब एवं बिमार महिलाओं को औषधी वितरीत की गई, कार्यक्रम एक सप्ताह तक जारी रहेगा।

दिव्य ज्योति शोभायात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब



शिव बारात की झांकी व नासिक के बैंड वादन की प्रस्तुति रही आकर्षण का केंद्र

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। श्री दादण्ड शक्ति भक्त मंडल चूरू की ओर से टीडा गेला दादी के अखिल भारतीय रजत जयंती बसंतोत्सव के तहत निकाली गई 47 दिवसीय रथ यात्रा का 41वां ठहराव मंगलवार को चूरू में हुआ। रथ यात्रा के चूरू आगमन पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा धोली सती दादी मंदिर से रवाना होकर सुभाष चौक, सफेद घंटाघर, गढ़ चौराहा, गुदड़ी बाजार होते हुए श्रीराम मंदिर पहुंची। शोभायात्रा का जगह-जगह तोरण द्वार बनाकर, पुष्प वर्षा कर व गुलाल उड़ाकर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में सिरसा के कलाकारों की ओर से शिव बारात की झांकी, नासिक के बैंड वादन व ऊंट-



घोड़ी नृत्य की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान राम-लक्ष्मण, जानकी, राधा-कृष्ण, हनुमान वानर सेना, अयोध्या के भगवान श्रीराम की सजीव झांकी व अघोरी नृत्य की भव्य झांकी भी सजाई गई। शोभायात्रा का आलम यह था कि हाथों में ध्वज पताका लिए नाचते-गाते महिला-पुरुषों ने हर किसी के मन को मोह रहा था। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने सभी का आभार व्यक्त किया।